हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 43 ● भिलाई, मंगलवार 01 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

18,600 फीट की बर्फीली चोटी और एक स्किड पर टिका हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। भारतीय सेना के जांबाज जवानों और पायलटों ने एक बार फिर अदम्य साहस और बेजोड़ तकनीकी कौशल का परिचय दिया है। सेना की एविएशन विंग ने लद्दाख में नुन कुन पर्वतमाला के बेहद दुर्गम इलाके में करीब 18,600 फीट की हैरतअंगेज ऊंचाई पर जान जोखिम में डालकर एक गंभीर मरीज को सुरक्षित एयरलिफ्ट कर लिया। तेज बर्फीली हवाओं, जानलेवा ढलान और ऑक्सीजन की भारी कमी के बीच चलाया गया यह मिशन भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य की मिसाल बन गया है। इतनी भीषण ऊंचाई पर हवा का दबाव बेहद कम होने के कारण हेलिकॉप्टर के इंजन की कार्यक्षमता और रोटर की लिफ्ट पावर काफी घट जाती है। मिशन को सफल बनाने के लिए सेना ने असाधारण योजना तैयार की। हेलिकॉप्टर से सभी गैर-जरूरी उपकरण हटाकर उसका वजन न्यूनतम किया गया और सिर्फ तय सीमा भर ही ईंधन भरा गया।

शराब के लिए पैसे न देने पर कलयुगी बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

पुणे। पुणे के विश्रांतवाड़ी से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब खरीदने के लिए पैसे मांगने को लेकर हुए झगड़े में एक 32 साल के व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी मां की हत्या कर दी। विश्रांतवाडी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 9.30 बजे से 10 बजे के बीच विश्रांतवाड़ी में हुई। सागर ने कथित तौर पर अपनी मां से शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे थे। पुलिस ने बताया कि इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई। बताया जा रहा है कि झगड़ा बढ़ गया, जिसके बाद सागर ने कथित तौर पर चाकू से अपनी मां पर हमला किया और उनकी गर्दन पर वार किया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान सविता सुरेश हरिभक्त (50) के तौर पर हुई है, जबकि आरोपी उसका बेटा सागर सुरेश हरिभक्त (32) है।

गेल की पाइपलाइन से अचानक भीषण गैस रिसाव, 24 किमी तक का हाईवे बंद

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब गंगापुर तालुका स्थित तकलीवाड़ी गांव के पास गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की पाइपलाइन से अचानक जोरदार गैस रिसाव शुरू हो गया। किसी भी बड़े खतरे और अनहोनी की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने शाम हदास पिंपलगांव से मालीवाड़ा के बीच समृद्धि एक्सप्रेसवे के करीब 24 किलोमीटर लंबे हिस्से पर वाहनों की आवाजाही को तुरंत रोक दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही गेल के तकनीकी विशेषज्ञों और जिला प्रशासन की टीमों ने मोर्चा संभाला।

पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में बोले पीएम मोदी

युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे धकेल रहा है-पीएम मोदी

बिश्केक। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंचे। यहां पीएम मोदी की मुलाकात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई है। दोनों देशों के नेताओं के बीच चर्चा जारी है। इंटरफैक्स समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी ने सोमवार को पुतिन से कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध खत्म करने की हर कोशिश का समर्थन करता है। पीएम मोदी शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए किर्गिस्तान गए हैं। इस संगठन को बने 25 साल पूरे हो गए हैं। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित किया गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'पिछले साल आपकी भारत यात्रा बहुत सफल और वाकई यादगार रही।' पीएम मोदी ने भारत-रूस के बीच संबंधों को लेकर कहा, 'हमारे लिए यह बहुत संतोष की बात है कि हमारा सहयोग नई ऊंचाइयां छू रहा है और हम दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखना हमारी साझा सोच रही है और भविष्य में भी यही हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहेगा।' प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'हमने लगातार यूक्रेन के मुद्दे पर चर्चा की है। जब हम पहले मिले थे, तो आपने मुझे इस मामले के सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया था। जैसा कि आप जानते हैं, भारत शांति की दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा।' पीएम मोदी ने युद्ध खत्म करने की अपील करते हुए कहा, 'युद्ध में बिताया गया हर दिन मानवता को पीछे ले जाता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम मानवता में नई उम्मीद और उत्साह भरता है। हमें अंतहीन युद्ध से हटकर युद्ध को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह मानवता की भलाई के लिए जरूरी है।'पीएम मोदी ने आगे कहा, 'सभी मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान ही मानवता की पुकार है और यही भारत का संदेश है। गांधी और बुद्ध की धरती का एक ही संदेश है: शांति का मार्ग। आज, मैं आपके साथ इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं।' व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत कुछ ही दिनों में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है और सभी भारतीय आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।' पीएम मोदी ने आगे कहा, 'आपकी यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी और ब्रिक्स ढांचे के भीतर बातचीत और सहयोग को और बढ़ावा देगी। पीएम मोदी के बाद राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'रूस में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के मामले में भारत शीर्ष देशों में शामिल है। हाल के वर्षों में यह संख्या सात गुना बढ़कर अब 40,000 हो गई है।' राष्ट्रपति पुतिन ने आगे कहा, 'हम नियमित रूप से भारत और रूस के सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करते हैं।

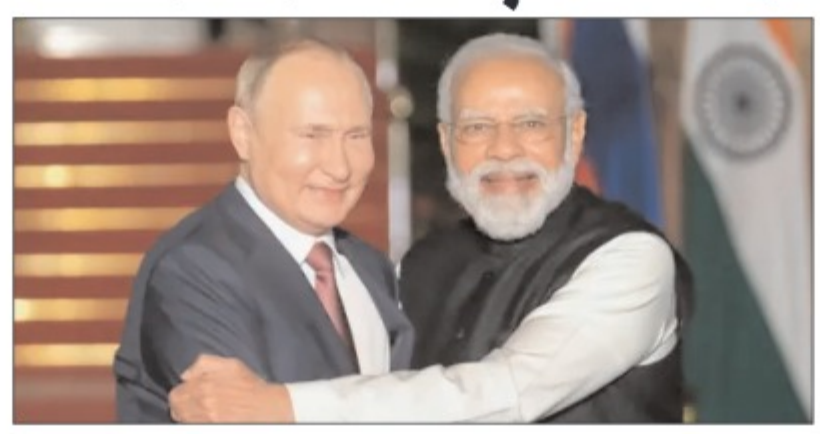

जंग के बाद पहली बार मिले पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, बिश्केक में हुई ऐतिहासिक मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठनके 26वें शिखर सम्मेलन के इतर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसी साल फरवरी में ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों शीर्ष नेताओं के बीच यह पहली आमने-सामने की मुलाकात है। हालांकि, दोनों पक्षों की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे बातचीत के पूर्ण एजेंडे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के मुद्दे पर चर्चा हुई होगी। फरवरी से ही प्रधानमंत्री मोदी लगातार ईरानी नेतृत्व के संपर्क में बने हुए हैं। उन्होंने हर मंच से यह दोहराया है कि सभी विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मध्य पूर्व में स्थिरता बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। इससे पहले 30 जून को हुई अपनी आखिरी टेलीफोनिक बातचीत में पीएम मोदी ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई थी और क्षेत्र में शांति व स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

याचिका खारिज, सीजेआई सूर्यकांत ने क्या कहा?

सीजेपी की 5 सितंबर रैली को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी.....!

नई दिल्ली/ एजेंसी

अभिजीत दीपके की अगुवाई वाली कॉंकरोच जनता पार्टी की 5 सितंबर को होने वाली रैली पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने रैली के खिलाफ दाखिल की गई याचिका को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने याचिका पेश हुई थी। सीजेपी ने आरोप लगाया है कि सरकार ने जुलाई में किए हुए वादों को पूरा नहीं किया था। खबरों के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ऐसा मानने की मजबूत वजह नहीं है कि रैली में कोई अप्रिय घटना होगी। बता दें कि याचिका के माध्यम से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पूरा होने तक प्रस्तावित मार्च को रोकने की मांग की गई थी। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को आयोजित होना है। इस

मामले पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अधिकारियों से कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उम्मीद की जाती है। सीजेआई ने कहा कि वो सुनिश्चित करें कि सभी पक्ष शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं और कानून के दायरे में हैं। बता दें कि सीजेपी ने दिल्ली में पांच सितंबर को विरोध मार्च निकालने का सोमवार को ऐलान किया था। सीजेपीने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने 25 जुलाई को किए गए उन वादों को पूरा नहीं किया जिनके आधार पर सीजेपी ने परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ 36 दिन का अपना आंदोलन वापस लिया था। सीजेपी शिक्षक दिवस के मौके पर यह मार्च निकालेगी और यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी के सदस्यों ने बताया कि इस मार्च का नेतृत्व उन छात्रों के परिजन करेंगे, जिन्होंने नीट परीक्षा रद्द होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा कराए जाने की वजह से आत्महत्या कर ली थी। इसके अलावा जुलाई महीने में हुए आंदोलन के दौरान कथित तौर पर पुलिस की ज्यादती का सामना करने वाले छात्रों के परिजन भी इस मार्च में शामिल होंगे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की मौत के बाद बड़ा खुलासा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ से अगवा कर पंजाब के मोरिंडा में जिंदा जलाई गई 28 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनजीत कौर की मौत के मामले में बेहद दर्दनाक खुलासा हुआ है। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, बर्बरता का शिकार हुई मनजीत कौर मौत से पहले करीब सात सप्ताह की गर्भवती थीं। करीब 52 दिनों तक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद 26 अगस्त को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, यह खौफनाक वारदात 3 जुलाई को हुई थी। आरोप है कि कुछ लोगों ने मनजीत कौर को चंडीगढ़ से जबरन कार में बैठाया और मोरिंडा ले गए।

राहुल गांधी को पीएम फेस नहीं माना तो

सीएम विजय थलपति को मिल गई वॉर्निंग..

नई दिल्ली। साल 2029 में होने वाले लोकसभा में विपक्ष से प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन होगा, इसे लेकर अभी से तकरार शुरू हो गई है। एक ओर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके और कांग्रेस आमने-सामने नजर आ रहीं हैं। तमिलनाडु के मंत्री एस राजेश कुमार ने कहा है कि यदि गठबंधन सहयोगी तमिलगा वेत्री कषगम 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन नहीं करती है, तो कांग्रेस के दोनों मंत्री राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देंगे। साथ

ही उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ही भारत के अगले प्रधानमंत्री होंगे। सत्तारूढ़ टीवीके के मंत्रियों, विधायकों और सदस्यों की ओर से मुख्यमंत्री सी जोसेफविजय को अगले लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की जा रही है।

एससी/ एसटी एक्ट की धाराएं लगीं

शुद्धिकरण मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस की विजय शंखनाद रैली के बाद रामलीला मैदान में किए गए शुद्धीकरण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। शुद्धीकरण में शामिल श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा समिति के सदस्य अमित कुमार ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दी है। अमित कुमार ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में हुए शुद्धीकरण की कार्रवाई को जातिगत और छुआछूत के मुद्दे से जोड़कर टिप्पणी की।

शिकायतकर्ता ने पुलिस से राहुल गांधी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। अमित कुमार के मुताबिक, आठ अगस्त को रामलीला मैदान में कांग्रेस की विजय शंखनाद रैली आयोजित हुई थी। उनका आरोप है कि रैली के बाद मैदान में कूड़ा-कचरा और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। इसके बाद 11 अगस्त को उन्होंने अनुसूचित जाति समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर मैदान की सफाई की और हवन के जरिए शुद्धीकरण किया। उनका कहना है कि इस पूरी कार्रवाई का उद्देश्य केवल मैदान की सफाई और धार्मिक शुद्धीकरण था और इसका जाति से कोई संबंध नहीं था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 29 अगस्त को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने हल्द्वानी में हुए शुद्धीकरण को छुआछूत से जोड़कर टिप्पणी की थी।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 17 घंटे लेट हुई स्पाईसजेट की फ्लाइट

अमृतसर। अमृतसर एयरपोर्ट पर सुबह स्पाइसजेट की फ्लाइट में 17 घंटे की देरी की सूचना मिलने के बाद यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज यात्रियों ने टिकट काउंटर पर हंगामा किया और एयरलाइन कर्मचारियों के साथ बहस की। इस दौरान यात्रियों ने स्पाइसजेट मुर्दाबाद' के नारे भी लगाए। यात्रियों के मुताबिक, दुबई जाने वाली फ्लाइट का निर्धारित समय सुबह 8: 40 बजे था, जिसे पहले बढ़ाकर सुबह 11 बजे कर दिया गया। इसके बाद यात्रियों को काउंटर पर फ्लाइट के करीब 17 घंटे देरी से चलने की जानकारी दी गई।

सीजेआई सूर्यकांत ने मनी लॉन्ड्रिंग पर जताई चिंता

काली कमाई का सिर्फ 1 रुपया ही आ पाता है वापस-सूर्यकांत

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर चिंता जाहिर की है। हाल ही में एक कार्यक्रम में आर्थिक अपराधों पर चिंता जताते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि देश से बाहर भेजे जाने वाले हर 100 रुपये में से जांच एजेंसियां केवल 1 रुपये ही वापस वसूल कर पाती हैं। उन्होंने कहा है कि भगोड़ों के प्रत्यर्पण को लेकर दुनिया के देशों के बीच सहयोग की कमी है और इसीलिए ये अपराधी पकड़ में नहीं आ पाते। शनिवार को कैम्ब्रिज में आयोजित

'43वें अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक अपराध संगोष्ठी' में बोलते हुए सीजेआई ने इस समस्या को लेकर विस्तार से बात की। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया भर में हर साल इतनी बड़ी राशि की मनी लॉन्ड्रिंग होती है कि उससे दुनिया के हर व्यक्ति के लिए एक लैपटॉप खरीदा जा सकता है। उन्होंने कहा, ऐसी संपत्ति के हर 100 हिस्सों में से 99 का जिक्र सिर्फ भाषणों और रिपोर्टों में होता है, जबकि असल में केवल एक हिस्से को ही वापस लाया जा पाता है। सीजेआई ने आगे प्राचीन भारतीय नीतिशास्त्री कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र में भी दर्ज है कि किसी अधिकारी के लिए राजा के राजस्व को संभालना और उसमें से कुछ न लेना असंभव के समान है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान ऑडिट, क्रास-वेरिफिकेशन और अवैध संपत्ति को जब्त करने में बताया गया है।

प्रयागराज-कौशांबी बॉर्डर पर भीषण विस्फोट

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री धमाके में अब तक 11 लोगों की मौत

प्रयागराज। एजेंसी

एयरफोर्स स्टेशन के निकट मनौरी स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर आग लग गई। पटाखों के धमाके इतने शक्तिशाली थे कि आसपास के कई घर भी जमींदोज हो गए। कई लोगों के दबे होने की सूचना मिल रही है। पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां वहां पहुंचीं और फायरकर्मी आग बुझाने में जुट गए। आग पूरी तरह से बुझने के बाद ही स्थिति साफहो सकेगी। फिलहाल फौरी तौर पर पांच लोगों के मरने और 22 लोगों के घायल होने की सूचना थी। हालांकि शाम पांच बजे तक 11 शव मिलने की पुष्टि की गई है। घायलों को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल भेजा गया है। बताया जाता है कि दोपहर 12 बजे से एक घंटा तक विस्फोट हुआ। अब तक इनकी मौत की पुष्टि हुई है 1. प्रियांजलि पुत्री मंजीत कुमार उम्र 5 वर्ष 2. प्रवीन सिंह पुत्र मंजीत उम्र 13 वर्ष 3. जाह्नवी पुत्री गया प्रसाद उम्र 12 वर्ष 4. आदित्य पुत्र गया प्रसाद उम्र 12 वर्ष 5. रवि पुत्र गया प्रसाद उम्र 8 वर्ष 6. ग्यान सिंह पुत्र हरिओम आयु 40 वर्ष 7. आदित्य पुत्र अज्ञात आयु 8 वर्ष 8. अंजू पत्नी विक्रम सरोज आयु 32 वर्ष 9. विक्रम सरोह आयु 35 वर्ष 10. अंश पुत्र विक्रम सरोज आयु 6 वर्ष 11. नन्हा पुत्र विक्रम सरोज आयु 4 वर्ष अचानक पटाखों में धमाके से आसपास के ग्रामीण दहल उठे। थोड़ी ही देर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। बताया जाता है कि जिस घर में पटाखे में आग लगी, पास ही बूंदी कारखाना में पांच और आटा चक्की में छह लोग मौजूद थे। धमाका काफी देर बाद तक होता रहा। वहीं बुलडोजर बुलाकर

मलबे को साफकराया जा रहा है। बाद में कौशांबी के डीएम और एसपी भी वहां पहुंचकर जायजा लिया। बताया गया है कि पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मनौरी में बस्ती से कुछ दूर पर एक मकान में पटाखा बनाया जाता था। मनौरी गांव निवासी आदिल की थी पटाखा फैक्ट्री उस मकान के ऊपर से ही बिजली के तार गुजरे हैं। सोमवार दोपहर अचानक उस मकान से धुआं उठने लगा। यह देख गांव वाले उस पर भागे तो एक-एक करके पटाखा फूटने लगा। पटाखे की आवाज से ग्रामीणों में खलबली मच गई। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। खबर मिलते ही पूरामुफ्ती, पिपरी थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आशंका जताई जा रही एसीपी धूमनगंज रवि गुप्ता ने बताया कि टीम मौके पर पहुंच कर बचाव कार्य शुरू कर दिया था। आग बुझने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि कितने लोगों की मौत हुई है। वहीं, कुछ साल पहले भरवारी में भी पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर को अचानक हुए प्रचंड विस्फोट की आवाज करीब 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके के साथ ही चारों तरफ धुएं का घना गुबार छा गया और बारूद में आग लगने की वजह से लगातार कई धमाके होते रहे। विस्फोट की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि फैक्ट्री की पक्की इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और 50 मीटर के दायरे में बने कई घर भी टूट गए।

सीएम योगी ने हादसे का लिया संज्ञान.....

मुख्यमंत्री योगी ने कौशाम्बी में हुए इस हादसे का लिया संज्ञान है. उन्होंने हादसे में मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को घायलों का बेहतर इलाज करवाने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से बात करके अधिकारियों को हर मुमकिन मदद करने के निर्देश दिए और हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. इसके साथ ही सीएम योगी ने अधिकारियों को राहत और उपचार कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए हैं. पुलिस और राहत टीमों की ओर से मलबे की लगातार जांच की जा रही है. अधिकारियों को आशंका है कि कुछ लोग मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं.

टीईटी की तलवार से एक लाख शिक्षक परेशान, स्थायी मुक्ति की मांग पर गरमाया संघर्ष

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने केंद्र-राज्य सरकार से तमिलनाडु की तर्ज पर कानून बनाने की मांग की, शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने कहा- किसी शिक्षक का नहीं होगा अहित

बालोद। सुप्रीम कोर्ट के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संबंधी फैसले के बाद छत्तीसगढ़ के करीब एक लाख सेवारत शिक्षकों की नौकरी, सेवा सुरक्षा और पदोन्नति को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसके विरोध में शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय टीईटी मुक्ति रैली निकालकर सरकार के सामने अपनी मांगें रखीं। वहीं राजधानी दिल्ली में भी देशभर के शिक्षक टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने केंद्र और राज्य सरकार से तमिलनाडु की तर्ज पर विधायी समाधान करते हुए उन शिक्षकों को टीईटी की बाध्यता से स्थायी रूप से मुक्त करने की मांग की है, जो संबोधित प्रावधान लागू होने से पहले सेवा में आ चुके थे।

पांच सूत्रीय मांगों पर जोर

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षामंत्री के समक्ष पांच सूत्रीय मांगें रखीं। इनमें सेवारत शिक्षकों को टीईटी की बाध्यता से स्थायी मुक्ति, पूर्व सेवा की गणना कर सभी हितलाभ देने, केंद्रीय वेतनमान लागू कर वेतन विसंगति दूर करने, डीएड धारक शिक्षकों के लिए बीएड हेतु ब्रिज कोर्स की व्यवस्था तथा भर्ती एवं पदोन्नति नियम 2026 को निरस्त अथवा संशोधित करने की मांग प्रमुख है।

शिक्षामंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से की चर्चा

शिक्षकों की बढ़ती चिंता और प्रदेशव्यापी प्रदर्शन को देखते हुए शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा के लिए बुलाया। उन्होंने शिक्षकों की समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए सुझाव मांगे। शिक्षामंत्री ने स्पष्ट भरोसा दिलाया कि किसी भी शिक्षक का अहित नहीं होने दिया जाएगा। मोर्चा की ओर से प्रांतीय संचालक वीरेंद्र दुबे एवं धर्मेश शर्मा ने शिक्षकों की भावनाओं और टीईटी से उत्पन्न स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। शिक्षामंत्री ने कार्यरत शिक्षकों के लिए विभागीय टीईटी कराने पर सहमति जताई तथा अधिकारियों को इसकी तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए।

विधायी समाधान की मांग बरकरार

मोर्चा पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभागीय टीईटी सरकार की ओर से दिया गया एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है, लेकिन संगठन की मूल मांग टीईटी से स्थायी मुक्ति के लिए विधायी समाधान की है। राज्य सरकार को केंद्र और संसद से आवश्यक कानून, संशोधन या अध्यादेश के लिए पहल करनी चाहिए, ताकि पुराने सेवारत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और पदोन्नति के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

शनिवार को सुबह स्कूल लगाने के प्रस्ताव पर भी सहमति

मोर्चा ने स्काउट, रेडक्रॉस, योग-व्यायाम, नैतिक शिक्षा और अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए हायर सेकेंडरी स्कूलों में शनिवार को सुबह स्कूल लगाने का आदेश जारी करने का आग्रह किया। शिक्षामंत्री ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए जल्द आदेश जारी करने के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे, टीचर्स एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा, संयुक्त शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष केदार जैन, धर्मेश शर्मा, सुधीर प्रधान, ताराचंद जायसवाल, चंद्रशेखर तिवारी, जितेंद्र शर्मा, कृष्णराज पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने सरकार से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर प्रदेश के करीब एक लाख सेवारत शिक्षकों को टीईटी की चिंता से स्थायी राहत देने की मांग की है।

दो साल में चार बार विभागीय टीईटी कराने की मांग

मोर्चा ने कहा कि यदि तत्काल विधायी समाधान संभव नहीं होता है तो सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तहत 31 अगस्त 2028 तक टीईटी उत्तीर्ण करने की बाध्यता को देखते हुए कार्यरत शिक्षकों के लिए अलग से विभागीय टीईटी आयोजित की जाए। आगामी दो वर्षों में कम से कम चार अवसर दिए जाएं, ताकि किसी शिक्षक की सेवा प्रभावित न हो। संगठन ने एससीईआरटी से कार्यरत शिक्षकों के अनुरूप टीईटी का अलग पाठ्यक्रम तैयार करने, ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से परीक्षा की तैयारी कराने और न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 प्रतिशत रखने की भी मांग की है।

अधिनियम से पहले नियुक्त शिक्षकों पर बाध्यता अन्याय

शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय मीडिया प्रभारी जितेंद्र शर्मा ने कहा कि संगठन सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करता है, लेकिन टीईटी संबंधी निर्णय से सहमत नहीं है। उनका कहना है कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति अधिनियम लागू होने से पहले निर्धारित प्रक्रिया और सेवा शर्तों के तहत हुई, उन पर बाद में लागू हुई पात्रता को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि खेल शुरू होने के बाद नियम बदलना जिस तरह उचित नहीं होता, उसी तरह सेवा में आने के वर्षों बाद नई पात्रता को शिक्षकों पर थोपना भी अन्यायपूर्ण है।

चार बार आदेश, फिर भी घर से नहीं हट पाया आंगनबाड़ी केंद्र

बेमेतरा। शहर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 को स्वयं के घर से सामुदायिक भवन अथवा अन्य सुविधाजनक किराए के भवन में स्थानांतरित करने के लिए विभाग ने करीब आठ महीने में चार बार आदेश जारी किए, लेकिन इसके बावजूद केंद्र अब तक कार्यकर्ता के निजी मकान में ही संचालित हो रहा है।

लगातार आदेशों की अवहेलना को लेकर अब महिला एवं बाल विकास विभाग ने अंतिम अवसर देते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी है। आंगनबाड़ी केंद्र को स्थानांतरित करने के लिए परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा मनोरमा साहू के कार्यालय से पहली बार 2 जनवरी 2026 को आदेश जारी किया गया था। इसके बाद 9 जनवरी 2026, 18 अगस्त और फिर 27 अगस्त को दोबारा आदेश जारी किया गया। विभागीय निर्देशों के बावजूद केंद्र को अभी तक स्वयं के घर से अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया गया है।

27 अगस्त के आदेश में तीन दिन का अंतिम समय

परियोजना अधिकारी मनोरमा साहू द्वारा 27 अगस्त को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गोमती तंबोली, आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 7 क्रमांक 02 के नाम जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व में जारी पत्रों के माध्यम से वार्ड क्रमांक 8 में ही अनुकूल एवं सुविधायुक्त किराए के भवन में आंगनबाड़ी केंद्र स्थानांतरित करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद 27 अगस्त तक इस संबंध में कोई जानकारी कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराई गई। आदेश में संचालनालय महिला एवं बाल विकास, अटल नगर नवा रायपुर के निर्देशों का हवाला देते हुए कार्यकर्ता को अंतिम अवसर दिया गया है। इसमें केंद्र को स्वयं के मकान से अन्यत्र अनुकूल एवं सुविधाजनक किराए के भवन में तीन दिवस के भीतर स्थानांतरित कर केंद्र का संचालन शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कार्यकर्ता को 31 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे संबंधित जानकारी के साथ परियोजना कार्यालय में समक्ष उपस्थित होकर सुनवाई में शामिल होने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

आदेश नहीं मानने पर मानदेय और सेवा पर कार्रवाई

विभाग ने इस बार आदेश का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय अवधि में आंगनबाड़ी केंद्र अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किए जाने तथा कार्यालय के निर्देशों एवं आदेशों की अवहेलना करने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत मानदेय में कटौती, भवन किराए की राशि पर रोक तथा सेवा समाप्ति (बर्खास्तगी) जैसी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। लगातार आदेश जारी होने के बाद भी केंद्र के स्थानांतरण नहीं होने से विभागीय आदेशों के पालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

पार्षद ने की शिकायत

सुविधाजनक भवन उपलब्ध होने का दावा मामले को लेकर वार्ड क्रमांक 8 की पार्षद चांदनी रोशन दत्ता ने शिकायत की है। उनका कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन के लिए सुविधाजनक भवन उपलब्ध है। इसके बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा स्वयं के मकान में केंद्र का संचालन किया जा रहा है। पार्षद का कहना है कि निजी मकान के स्थान पर सामुदायिक भवन अथवा सुविधायुक्त अन्य भवन में केंद्र संचालित होने से बच्चों और वार्डवासियों को बेहतर सुविधा मिल सकती है। इस संबंध में पूर्व में भी विभाग का ध्यान आकर्षित कराया गया है, लेकिन कई आदेश जारी होने के बाद भी स्थिति में बदलाव नहीं आया।

आठ महीने से आदेशों का पालन नहीं

मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग की ओर से जनवरी से लेकर अगस्त तक लगातार निर्देश जारी किए गए। 2 जनवरी, 9 जनवरी, 18 अगस्त और 27 अगस्त को जारी आदेशों से स्पष्ट है कि विभाग केंद्र को स्वयं के घर से हटाकर अन्य स्थान पर संचालित कराना चाहता है। इसके बावजूद अब तक केंद्र का संचालन उसी मकान से होने की शिकायत सामने आई है। अब 27 अगस्त के आदेश में विभाग ने तीन दिन का अंतिम अवसर दिया है और 31 अगस्त को सुनवाई के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में देखना होगा कि अंतिम चेतावनी के बाद आंगनबाड़ी केंद्र को निर्धारित भवन में स्थानांतरित किया जाता है या विभाग अपने आदेश के अनुसार मानदेय कटौती और सेवा समाप्ति जैसी कार्रवाई करता है।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन, प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा–उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा नई ऊंचाइयों को छुएगा

बेमेतरा। भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष महासमुंद की सांसद रूपकुमारी चौधरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ आगमन पर प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में उनका भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की बेमेतरा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने उनसे मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के आह्वान पर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं, रूपकुमारी चौधरी के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला, एयरपोर्ट से लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय तक महिला कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने पूरे माहौल को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। भाजपा महिला मोर्चा की बेमेतरा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि रूपकुमारी चौधरी का राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में दायित्व संभालना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है, उनके संगठनात्मक अनुभव, सहज नेतृत्व क्षमता और कार्यकर्ताओं से जीवंत जुड़ाव का लाभ देशभर के महिला मोर्चा को मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा, रूपकुमारी चौधरी के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा देशभर में महिला शक्ति को और अधिक संगठित एवं सशक्त करने की दिशा में नई मिसाल कायम करेगा। छत्तीसगढ़ की धरती की बेटी को राष्ट्रीय स्तर पर इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना हम सभी के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नारी शक्ति' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की भूमिका लगातार बढ़ रही है,राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में रूपकुमारी चौधरी के नेतृत्व में संगठन की महिला कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी और महिला सशक्तीकरण, संगठन विस्तार तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक भाजपा की विचारधारा पहुंचाने का अभियान और गति पकड़ेगा। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री शीतल नायक ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिला कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में काम करेंगी।

महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन उदय 2026 का भव्य आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में संपन्न

दल्लीराजहरा। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन उदय 2026 का भव्य आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दल्लीराजहरा के अमर लालवानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांग विकास निगम के अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त वीर लोकेश कावड़िया और एमआईएसओ प्रदेश अध्यक्ष एवं सम्मेलन अध्यक्ष वीर राजेन्द्र जैन एवं संस्था के सदस्य स्वाधीन जैन के करकमलों से प्रदान किया गया। अमर लालवानी द्वारा लगातार अपने क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में दिन हो या रात, गौ सेवा के लिए सदैव निःस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं। चाहे घायल गौवंश का इलाज कराना हो, भूखे गौवंश को चारा-पानी की व्यवस्था करना हो या सड़क पर बैठे गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना हो, वे अपनी टीम के साथ हर समय सेवा में लगे रहते हैं। उनकी इसी निस्वार्थ गौ सेवा, समर्पण और मानवता भरे कार्यों को देखते हुए उन्हें व उनकी टीम को यह विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है। आयोजकों ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने कार्यों में व्यस्त हैं, ऐसे में अमर लालवानी द्वारा गौ माता की निःस्वार्थ सेवा करना वास्तव में सराहनीय है। गौ सेवा ही सच्ची सेवा है और उनका यह कार्य पूरे समाज और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। अधिवेशन का मुख्य मंत्र सेवा, संस्कार, स्वावलंबन रहा, जिसको अमर लालवानी अपने जीवन में चरितार्थ कर रहे हैं। इस अवसर पर दल्लीराजहरा से महावीर चोपड़ा, रंजीत वर्मा, सोहम गुप्ता, अमन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सम्मान से दल्लीराजहरा नगर में हर्ष व्याप्त है और नगरवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

हिंदू सेना के पदाधिकारियों ने कलेक्टर एवं नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक से की भेंट

दल्लीराजहरा। हिंदू सेना प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा के आह्वान पर बालोद जिला अध्यक्ष नंदा पसीने के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने जिले की कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक किरण गंगा राम चव्हाण से सौजन्य मुलाकात की । इस दौरान संगठन की ओर से अधिकारियों को लकी बैम्बू का पौधा भेंट किया गया यह पौधा सुख, समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, जिसे कार्यालय और कार्यस्थल पर सकारात्मकता के लिए रखा जाता है। प्रदेश कोषाध्यक्ष बोधन भट्ट ने जिला में शराब के अलावा अन्य नशीले पदार्थ पर रोक लगाने और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर भी विशेष चर्चा की प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव ने संगठन के कार्यों और उद्देश्यों को लेकर संक्षिप्त जानकारी दी गई कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसके पश्चात संगठन के पदाधिकारियों ने नगर पुलिस अधीक्षक विकाश पाटले वं दल्ली राजहरा थाना प्रभारी सुनील तिर्की से भी मुलाकात किए। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष बोधन भट्ट, प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव,जिला अध्यक्ष नंदा पसीने, संगठन संरक्षक आशा सिंह, जिला उपाध्यक्ष ममता पटेल, नगर उपाध्यक्ष मातृशक्ति ज्योति राजा भोज, साक्षी खटवानी, मातृशक्ति महामंत्री पुष्पा शांडिल्य, नगर अध्यक्ष शंकर साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खुज्जी में अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार मुखबिर सूचना पर दुकान से अवैध शराब जब्त

डोंगरगांव नगर। नगर के समीपस्थ खुज्जी में पुलिस ने अवैध शराब पर कार्रवाई की है। पुलिस ने मुखबिर सूचना पर रेड कार्रवाई करते हुए युवक के दुकान में खोजबीन करने पर आरोपी के कब्जे से एक बोरी में 34 नग यानि 6.120 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त किया गया।

आरोपी द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही करने पर कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा आधिकारिक ब्यौरे के मुताबिक जिले में अपराध एवं अवैध गतिविधियों, विषेशकर अवैध शराब बिक्री व परिवहन के विरूद्ध प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को 30 अगस्त को खुज्जी में अवैध शराब होने की मुखबिर सूचना मिली। सूचना आधार पर पुलिस ने हमराह स्टॉफ भेजकर रेड कार्रवाई की। सन्देह के आधार पर रोशन नामक युवक के दुकान में खोजबीन करने पर दुकान में एक हरे काले रंग के थैले में रखी 34 नग देशी प्लेन शराब सवा सेरा ब्राण्ड, प्रत्येक में 180 एमएल, कुल 6.120 बल्क लीटर, अनुमानित कीमत 2,720 रूपये, तथा बिक्री की रकम 300 रूपये, कुल जुमला 3,020 रूपये को विधिवत जप्त की गई। आरोपी द्वारा शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज अथवा अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर आरोपी रोशन निषाद, 30 वर्ष, पिता रूपलाल निषाद, साकिन ग्राम खुज्जी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराते हुए विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दिया गया है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, प्रधान आरक्षक बृजमोहन यादव, आरक्षक चन्द्रकांत सोनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मरम्मत के महीनों बाद बेलहरी बांध में रिसाव, करोड़ों के काम की खुली पोल

कवर्धा। जिले में लगातार अल्प बारिश के बीच सहसपुर लोहारा विकासखंड के बेलहरी गांव स्थित करीब पांच दशक पुराने बांध की पार से पानी का रिसाव सामने आने के बाद बांध की मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खास बात यह है कि बांध की मरम्मत पर करीब 2 करोड़ 68 लाख रुपये खर्च किए जाने के बाद बारिश के शुरुआती दौर में ही पार से पानी रिसने लगा। इससे ग्रामीणों में दहशत है और किसानों को अपनी फसल व सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों के अनुसार बांध की मरम्मत का कार्य मार्च-अप्रैल के दौरान कराया गया था। गर्मी के मौसम में बांध का जलस्तर कम होने का लाभ उठाकर मरम्मत कार्य किया गया, लेकिन बारिश शुरू होने के कुछ ही महीनों बाद पार से रिसाव सामने आ गया। ग्रामीणों का आरोप है कि मरम्मत में निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप मिट्टी का उपयोग नहीं किया गया। उनका कहना है कि बांध की अंदरूनी पार में पर्याप्त मिट्टी भरने के बजाय मुरूम का उपयोग किया गया और बाहरी सतह को समतल कर मरम्मत पूरी कर दी गई। यदि ग्रामीणों के आरोप सही हैं तो यह मामला महज निर्माण गुणवत्ता का नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक राशि के उपयोग और किसानों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। जिस बांध की मजबूती के नाम पर इतनी बड़ी राशि स्वीकृत और खर्च की गई, उसी बांध में कुछ महीनों के भीतर रिसाव होना संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार तकनीकी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। बेलहरी बांध से आसपास के करीब 8 से 10 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा मिलती है। बांध की पार में रिसाव बढ़ने की स्थिति में इसका सीधा असर किसानों की खड़ी फसलों और निचले क्षेत्रों में रहने वाली आबादी पर पड़ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर बढ़ने के साथ बांध पर पानी का दबाव भी बढ़ेगा, ऐसे में समय रहते रिसाव की वास्तविक वजह का पता लगाकर स्थायी सुधार नहीं किया गया तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इधर रिसाव वाले हिस्से को लेकर बांध के ऊलट की ओर जेसीबी से उभरी सतह को समतल कर ढलान बनाने का काम कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बांध की वास्तविक समस्या को दूर करने के बजाय पानी के दबाव और प्रवाह को डायवर्ट कर मामले को संभालने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जाता है कि करीब 17 फीट जलस्तर पहुंचने के बाद बांध ऊलट की स्थिति में आता है। ऐसे में पानी के सुरक्षित निकास की व्यवस्था जरूरी है, लेकिन सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की मरम्मत के बाद भी बांध की पार में रिसाव क्यों शुरू हुआ। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद क्या विभागीय अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता का तकनीकी सत्यापन किया था? यदि किया था तो बारिश के दौरान सामने आई इस खामी के लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी? वहीं यदि कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी हुई है तो संबंधित ठेकेदार के साथ-साथ कार्य की निगरानी और सत्यापन करने वाले उप अभियंता एवं सहायक अभियंता की भूमिका की भी जांच जरूरी है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच, मरम्मत कार्य की गुणवत्ता परीक्षण, स्वीकृत प्राक्कलन और वास्तविक कार्य का मिलान कराने तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि विभाग रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करता है या करोड़ों की मरम्मत के बाद सामने आई खामी को अस्थायी उपायों से ढकने का प्रयास जारी रहता है।

संक्षिप्त समाचार

हाथियों का उत्पात जारी : गौरछापर पहुंचकर फसलों को पहुंचाया नुकसान

रायपुर। वनमंडल कटघोरा के एतमानगर रेंज में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। यहां आधा दर्जन से अधिक हाथी सक्रिय हैं, जो लगातार ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की खरीफ फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब तक हाथियों का यह दल रिंगनिया में उत्पात मचाकर ग्रामीणों के नाकों में दम कर रखा था। लेकिन बीती रात हाथियों का दल अपना लोकेशन बदलते हुए गौरछापर गांव पहुंच गए और वहां पहुंचते ही जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने 10 ग्रामीणों के खेतों में लगे बड़ी मात्रा में धान फसल को रौंद दिया, जिससे संबंधितों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। गौरछापर के ग्रामीणों को हाथियों के आने और उत्पात मचाने की जानकारी तब लगी जब वे अपनी खेतों में पहुंचे थे। वहां लगे धान की फसल को बुरी तरह रौंदा हुआ पाया। इसकी तत्काल सूचना वन विभाग को दी गई, जिस पर वन विभाग को अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ रात में किए गए नुकसानी के आंकलन में जुट गया है। हाथियों द्वारा क्षेत्र में लगातार उत्पात मचाए जाने तथा फसल को रौंदे जाने से ग्रामीण बेहद परेशान हैं और अपने जान-माल तथा फसल की सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं। ग्रामीणों की मांग पर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही वन विभाग।

शेल पत्थर उठाव के दौरान पे-लोडर में लगी आग

रायपुर। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र की खदान में एक पे-लोडर में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि 70203 नंबर का पे-लोडर शेल पत्थर उठाव के कार्य में लगा हुआ था, इसी दौरान अचानक उसमें आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पे-लोडर आग की चपेट में आ गया और मशीन को भारी नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना के बाद क्षतिग्रस्त पे-लोडर को स्क्षष्टरु के लक्ष्मण वर्कशॉप में खड़ा किए जाने की जानकारी मिल रही है। इस घटना ने गेवरा खदान में भारी मशीनों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पे-लोडर जैसी भारी मशीनें खदान के उत्पादन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में मशीन में आग लगने की घटना न केवल आर्थिक नुकसान का विषय है, बल्कि खदान में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

उत्तर प्रदेश चुनाव में सोशल मीडिया का संभालेंगे आयुष

रायपुर। कांग्रेस ने आगामी चुनाव संबंधी गतिविधियों को लेकर अपने सोशल मीडिया विभाग में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से जुड़े आयुष पांडेय को उत्तर प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी आदेश में आयुष पांडेय को उत्तर प्रदेश में चुनाव संबंधी सोशल मीडिया गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म विभाग की चेयरपर्सन और कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य सुप्रिया श्रीनेत ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय संयोजक प्रणव वच्छराजानी और राष्ट्रीय समन्वयक आयुष पांडे को जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में सुनी 'मन की बात' की 137वीं कड़ी

नशामुक्त युवा के संकल्प में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी

- निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले लोगों को देश के सामने लाते हैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी
- अंतरिक्ष विज्ञान में बेटियों की ऊंची उड़ान, छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत पर प्रदेश को गर्व

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यत: देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ, समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जन-जन का अभियान बन चुका है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका और कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की भी चर्चा की। रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं को योजना के माध्यम से अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और देशभर में करीब 35 लाख महिलाएं इससे जुड़कर अपने छोटे व्यवसायों को नई गति दे रही हैं।

सेवा संकल्प सप्ताह पर भाजपा पार्टी की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी संगठन, सरकार और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत समन्वय को लेकर लगातार समीक्षा बैठक कर रही है। 25 से 29 अगस्त तक तीन बड़ी बैठक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाउ ठाकरे परिसर में हो रहे हैं। 29 अगस्त को सभी पदाधिकारियों की बैठक है। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक होने वाले सेवा संकल्प सप्ताह की भी आज शुरुआत की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी की 25 और 26 अगस्त को भी बैठक हुई थी. दो दिवसीय मैराथन बैठक में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सियासी धरातल और आने वाले चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करने पर योजना बनाई। बैठक में प्रदेशिक संगठन के प्रभारी अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मुख्यमंत्री विजय शर्मा के अलावा पार्टी संगठन के तमाम पदाधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में सरकार की नीतियों को गांव-गांव तक ले जाने, बूथ लेवल तक कमेटी को मजबूत करने और सरकार की योजनाएं आम जनता तक पहुंचाने के लिए योजना तैयार की गई। 25 और 26 अगस्त की बैठक में मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की गई। कौन विभाग कितना बेहतर काम कर रहा है, इसको लेकर भी चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं का फीडबैक भी लिया गया, जिसमें इस बात को सबसे ऊपर रखा गया कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और विकास योजनाओं को लेकर होने वाली बात आम जनता तक सहूलियत के साथ पहुंचे।

महतारी वंदन से आर्थिक आत्म निर्भरता की ओर बढ़े कदम......

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही वे अपने परिवार की जरूरतों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी आत्मनिर्भर निर्णय ले रही हैं। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए बचत और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की तैयारी का माध्यम बन रही है। कोरबा नगर के सीतामढ़ी क्षेत्र के विकास नगर की श्रीमती ज्योति पटेल भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें हर माह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। श्रीमती ज्योति पटेल इस राशि को अपनी दोनों बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने दोनों बेटियों के नाम सुकन्या समृद्धि योजना में बचत शुरू की है। श्रीमती पटेल बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें अपने स्तर पर बचत करने का अवसर दिया है। अब बेटियों के भविष्य के लिए थोड़ी-थोड़ी राशि बचाने के लिए उन्हें हर बार पति से पैसे मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। हर माह मिलने वाली राशि को वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 'विष्णु भैया' बहनों के बारे में सोचते हैं। वे समय पर बहनों के खातों में पैसे डाल देते हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से मुझे अपने मन के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए बचत करने की खुशी मिलती है। अब मुझे इसके लिए हर छोटी जरूरत पर पति से पैसे मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। 'विष्णु भैया' ने बहनों के बारे में सोचकर बहुत अच्छी योजना बनाई है, जिससे हम अपने परिवार और बच्चों के भविष्य के लिए भी कुछ कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना की यह राशि अब केवल मासिक सहायता नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों और सुरक्षित भविष्य के लिए एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बचत बन गई है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आज रायपुर स्थित अशोका पाम मीडोज सोसाइटी में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक लोगों से पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री राजेश मूणत, श्री अनुज शर्मा, श्री राजीव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृशक्ति के प्रति सम्मान की भावना से जुड़ा जन-अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अभियान के माध्यम से देशवासियों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने का भावनात्मक और पर्यावरणीय संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आज बढ़ते शहरीकरण और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच वृक्षों का महत्व और भी बढ़ गया है। पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, तापमान को संतुलित रखने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ लगाना प्रकृति को दिया गया हमारा छोटा-सा योगदान है, लेकिन जब यही संकल्प करोड़ों लोगों का बन जाता है तो इसका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। हमें अपने घर, मोहल्ले, गांव और शहर में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि केवल पौधरोपण करना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और विभिन्न संस्थाओं से अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छांव, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण का आधार बनेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को पौधरोपण से जोड़ना चाहिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा से समृद्ध राज्य है। यहां के घने वन, नदियां,

राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ विष्णु भैया संग विकास की बात

- रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन की 31वीं किस्त, कमलाबाई के चेहरे पर खिली खुशी

मोहला/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पावन पर्व रक्षाबंधन के पूर्व ही महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि प्रदेश की लाखों महिलाओं के बैंक खातों में सीधे अंतरित की है। समय से पहले राशि मिलने से महिलाओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। महिलाओं ने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्नेहपूर्वक अपना 'विष्णु भैया' बताया है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिल रही आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का आधार बन रही है। यह राशि जहां त्योहारों की खुशियों को बढ़ा रही है, वहीं महिलाएं अपनी आवश्यकताओं, स्वास्थ्य और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में भी इसका उपयोग कर रही हैं। जिले के ग्राम मोहला निवासी श्रीमती कमलाबाई निषाद ने बताया कि रक्षाबंधन के पूर्व ही उनके बैंक खाते में महतारी वंदन योजना की राशि पहुंच गई है। राशि मिलने से वे इस बार रक्षाबंधन का पर्व और अधिक उत्साह के साथ मना पा रही है । उन्होंने बताया कि वे योजना से प्राप्त राशि से अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदी। उन्होंने कहा कि त्योहार से पहले मिली इस आर्थिक सहायता से रक्षाबंधन की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। श्रीमती कमलाबाई ने बताया कि वे शुगर की बीमारी से पीड़ित हैं और महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपने इलाज, दवाइयों और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं।

बस्तर में नशीली टेबलेट की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई.....

रायपुर। बस्तर जिले में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में बोधघाट थाना पुलिस ने अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट का परिवहन कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अल्प्राजोलम की 420 नग टेबलेट बरामद हुई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 68 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, 29 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक हरे रंग की टी-शर्ट और नीली जींस पहने स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल से ओडिशा की ओर से अड़ावल मार्ग होते हुए जगदलपुर की तरफ आ रहा है। उसके पास अवैध प्रतिबंधित नशीली टेबलेट होने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई। थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ओडिशा रोड स्थित मुस्कान पेट्रोल पंप के पास एमसीपी लगाकर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध हुलिए का युवक मोटरसाइकिल से पहुंचा, जिसे पुलिस ने रोककर पूछताछ की। उसकी पहचान बादल नाग उर्फ टिन्नी (20 वर्ष), निवासी दंतेश्वरी वार्ड, बैला बाजार, जगदलपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे झोले से अल्प्राजोलम 28 पत्तियों में कुल 420 टेबलेट बरामद हुईं। पुलिस ने नशीली टेबलेट के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

मछली पालन से सशक्त हुईं मनोरा और दुलदुला की महिलाएं

विष्णु भैया की पहल से तालाब बना महिलाओं की तरक्की का आधार

- शासन की योजनाओं और विभागीय सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अब पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ मछली पालन जैसे लाभकारी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आय बढ़ा रही हैं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आजीविका के विभिन्न साधनों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं और विभागीय सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अब पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ मछली पालन जैसे लाभकारी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आय बढ़ा रही हैं। जशपुर जिले के मनोरा और दुलदुला विकासखंड की महिला स्व-सहायता समूहों ने शासकीय तालाबों को अपनी आजीविका का आधार बनाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। शासकीय तालाबों के दीर्घकालीन पट्टे, विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन और समूह की महिलाओं की मेहनत ने मछली पालन को उनके लिए आय का मजबूत जरिया बना दिया है। जशपुर जिले के विकासखंड मनोरा के ग्राम भभरी में कमल महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायत के 0.700 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले शासकीय तालाब में 10 वर्षीय पट्टे के माध्यम से मछली पालन कर रही हैं। समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास और विभागीय मार्गदर्शन से मछली पालन को सफल आजीविका गतिविधि के रूप में विकसित किया है। समूह द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 3 क्विंटल मछली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे करीब 6 लाख रुपये का वार्षिक विक्रय प्राप्त हो रहा है। इस आय से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब वे घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक खर्चों को भी बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा में दीप महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं भी पिछले तीन वर्षों से 0.800 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले शासकीय तालाब में मछली पालन कर रही हैं। समूह ने संगठित प्रयासों और निरंतर मेहनत से इस गतिविधि को आय के प्रभावी साधन में बदल दिया है। समूह द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 3.30 क्विंटल मछली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे लगभग 6.93 लाख रुपये का वार्षिक विक्रय प्राप्त हो रहा है। इससे समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और वे आर्थिक रूप से पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई हैं। महिला स्व-सहायता समूहों को शासकीय तालाबों का पट्टा उपलब्ध कराने, तकनीकी मार्गदर्शन देने और आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। मछली पालन से प्राप्त आय ने महिलाओं को परिवार की आर्थिक जरूरतों में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने का अवसर दिया है। समूह की महिलाओं का कहना है कि पहले आय के सीमित साधनों के कारण परिवार का खर्च चलाना चुनौतीपूर्ण था। मछली पालन शुरू करने के बाद नियमित आय का माध्यम मिला और अब वे स्वयं अपनी आजीविका गतिविधियों का संचालन करने के साथ आर्थिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कमल महिला स्व-सहायता समूह और दीप महिला स्व-सहायता समूह की सफलता यह साबित करती है कि शासन की योजनाओं का प्रभावी लाभ, सामूहिक प्रयास और सही मार्गदर्शन मिलकर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आज इन समूहों की महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ गांव की स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में भी योगदान दे रही हैं।

संपादकीय

भारत की विदेश नीति इस समय कई मोर्चों पर सक्रिय

भारत की विदेश नीति इस समय रूस और चीन दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस में व्यापार, ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में सीमा विवाद पर बातचीत करेंगे। ब्रिक्स सम्मेलन और अमेरिकी दबाव के बीच भारत रिश्तों में संतुलन बनाते हुए रणनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहा है। एक ही समय में भारत की तरफ से दो महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राएं चल रही हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में। ये यात्राएं भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा हैं, जिसमें चीन के साथ तनाव कम करने का प्रयास है। साथ ही, रूस संग पुराने संबंधों को बदली परिस्थितियों में मजबूती देने की कोशिश। अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को कम करने की शुरुआत की थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है। हालांकि सुधार के संकेतों के बावजूद यह नहीं कह सकते कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर पेइचिंग का रुख इसका सबूत है। हालांकि दोनों ही देशों का हित सीमा पर शांति और स्थिरता में है। फिर यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि सितंबर में भारत को ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करनी है। इसमें शी चिनफिंग के भी आने की चर्चा है। पिछले साल अगस्त आखिर में जब पीएम मोदी एससीओ समिट के लिए चीन के तियानजिन गए थे, तो वहां शी के साथ मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में मदद की थी। तब दोनों ने दोहराया था कि भारत और चीन विकास के साझेदार हैं और आपसी मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। यह बात आज भी सच है। जयशंकर की मॉस्को यात्रा की अहमियत भी वर्तमान भू-राजनीति को देखते हुए अहम हो जाती है। सोमवार को उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। आगे उन्हें अपने समकक्ष से मिलना है। इस दौरान बातचीत के एजेंडे में व्यापार और ऊर्जा से लेकर वैश्विक मुद्दे तक हैं। नई दिल्ली-मॉस्को संबंधों को लगातार अमेरिकी दबाव का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया जिस तरह उलझा पड़ा है, आगे कूटनीतिक चुनौती और बड़ी हो सकती है। तियानजिन से आई मोदी, शी और चिनफिंग की तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, खासकर अमेरिका का। उस समय ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने टैरिफ वॉर छेड़ रखी थी। तब से आज वैश्विक परिस्थितियां ज्यादा जटिल हैं। अमेरिका अब भी टैरिफ को हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है और ऊर्जा संकट बना हुआ है। इस माहौल में भारत को ज्यादा संतुलित नीति की जरूरत है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

रूस में जयशंकर, चीन में डोभाल, जापान में गोयल ने संभाला मोर्चा, आखिर क्या है मोदी का मिशन?

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

जयशंकर का रूस दौरा: सबसे पहले मॉस्को यात्रा की बात करें तो आपको बता दें कि जयशंकर की दो दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर दबाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को में वह रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग यानि आईआरआईजीसी-टीईसी की 27वीं बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। इसलिए नई दिल्ली अब केवल रूसी तेल खरीदने वाले साझेदार की भूमिका से आगे बढ़कर बाजार पहुंच, निवेश, भुगतान व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के सवालों को केंद्र में ला रही है।

भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, नॉर्दर्न सी रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर जैसे विकल्पों का महत्व बढ़ जाता है। यह रणनीति दर्शाती है कि भू-राजनीतिक दबाव के बावजूद भारत अपने पुराने, परखे हुए रणनीतिक साझेदार के साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और संपर्क के विकल्प खुले रखना चाहता है। यह यात्रा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले भी हो रही है, जिससे इसकी राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

अजित डोभाल का चीन दौरा: उधर, मॉस्को में भारत साझेदारी को मजबूत कर रहा है, तो बीजिंग में उसकी प्राथमिकता सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने में लगी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 25वें भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि संवाद के लिए चीन के दौरे पर हैं, जहां उनकी मुलाकात चीन के विदेश मंत्री वांग यी से होनी है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2003 में शुरू किया गया यह तंत्र लगभग 3,488 किलोमीटर लंबे सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान के लिए बनाया गया था। 25 दौर की बातचीत के बावजूद अंतिम समाधान दूर है, लेकिन दोनों देश इसे तनाव नियंत्रित करने और संवाद बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। खासकर 2020 के बाद सीमा पर पैदा हुई गंभीर स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य केवल व्यापार या राजनीतिक संपर्क से तय नहीं होगा।

जयशंकर का संदेश भी इसी रणनीतिक सोच को रेखांकित करता है। यानि सीमा पर शांति और स्थिरता, अच्छे संबंधों की पूर्व शर्त है। देखा जाये तो डोभाल की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों पक्ष तनाव कम करने और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, लेकिन सीमा का प्रश्न अब भी निर्णायक है। बातचीत का उद्देश्य केवल विवाद को प्रबंधित करना नहीं, बल्कि उस राजनीतिक जगह को तैयार करना भी है जिसमें भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच आगे संवाद संभव हो सके। साथ ही डोभाल की यात्रा भी ऐसे समय हो रही है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अगले महीने भारत का दौरा लगभग तय माना जा रहा है।

पीयूष गोयल का जापान दौरा: इसके अलावा, तीसरा मोर्चा टोक्यो में खुलता है, जहां पीयूष गोयल 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान पहुंचे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल टोक्यो, नागोया और ओसाका में सरकारों और उद्योग जगत के साथ बैठकों के जरिए निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश करेगा। हम आपको बता दें कि भारत की नजर केवल अधिक जापानी निवेश पर नहीं है। लक्ष्य कहीं बड़ा है। लक्ष्य यह है कि जापानी कंपनियां भारत में केवल बेचें नहीं, बल्कि निर्माण करें, डिजाइन करें, नई तकनीक विकसित करें और भारत को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में इस्तेमाल करें। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत विनिर्माण और नई प्रौद्योगिकियां इस अभियान के प्रमुख क्षेत्र हैं।

हम आपको बता दें कि जापान ने भारत में एक दशक के दौरान 10 ट्रिलियन येन निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत अब चाहता है कि इस दशक के अंत तक देश में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो। नागोया की औद्योगिक और ऑटोमोबाइल क्षमता, टोक्यो की वित्तीय एवं तकनीकी ताकत और ओसाका के नवाचार तंत्र के साथ भारत अपने विनिर्माण भविष्य की नई साझेदारी तलाश रहा है। मॉस्को, बीजिंग और टोक्यो की इन तीन यात्राओं को एक साथ देखें तो भारत की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। रूस से ऊर्जा और रणनीतिक स्वायत्तता; चीन से सीमा तनाव को नियंत्रित करते हुए सुरक्षा संतुलन; और जापान से पूंजी, तकनीक तथा वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना। यही भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती भी है। यानि किसी एक धुरी का हिस्सा बने बिना सभी महत्वपूर्ण धुरियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार संबंध चलाना। दुनिया जब व्यापार युद्धों, टैरिफ, युद्धों, सप्लाई चेन संकट और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है, तब भारत तीन अलग-अलग राजधानियों में तीन अलग भाषाओं में, लेकिन एक ही संदेश के साथ बात कर रहा है। भारत स्पष्ट कर रहा है कि वह साझेदारी करेगा, दबाव में नहीं झुकेगा; संवाद करेगा, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा; और निवेश चाहेगा, लेकिन केवल बाजार बनने के लिए नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी शक्ति बनने के लिए। बहरहाल, मॉस्को से बीजिंग और टोक्यो तक फैली यह कूटनीतिक त्रिकोणीय चाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका लक्ष्य केवल आज के संकटों को संभालना नहीं, बल्कि 2030 के भारत की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी स्थिति तय करना है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गड़बड़ा जाएंगे सभी राजनीतिक दलों के समीकरण , 2029 से ही वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने की तैयारी तेज !

(नीरज कुमार दुबे)

मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है।

भले ही देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी-अपनी बिसात बिछाने में जुटी हों, लेकिन भारतीय राजनीति की इस शतरंज पर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक और बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' चलने की संभावना जोर पकड़ रही है। हम आपको बता दें कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार अब महज बहस या चुनावी नारा नहीं रह गया है, भारत इसके क्रियान्वयन से कुछ ही कदम दूर दिखाई दे रहा है। एक ओर भाजपा देशभर में विभिन्न सामाजिक और पेशेवर वर्गों के बीच इस विचार के समर्थन में अभियान चलाकर जनमत तैयार करने में जुटी है, वहीं इस मुद्दे पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति भी राज्यों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के चरण में पहुंच रही है। ऐसे में सियासी हलकों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या चुनावी राजनीति की मौजूदा बिसात बदलने वाली है और क्या 'एक देश, एक चुनाव' मोदी सरकार की अगली बड़ी राजनीतिक चाल साबित होगी।

हम आपको बता दें कि मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है। इन प्रावधानों का उद्देश्य अगले चुनाव चक्र में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाना है। लेकिन राजनीतिक सत्ता का गणित शायद अब 2034 तक इंतजार करने के मूड में नहीं है।

एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 11 में अगले दो वर्षों के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में एनडीए अपनी सरकारें बरकरार रखता है, तो 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ इन्हें चुनावी चक्र में लाने के लिए जनवरी 2029 तक विधानसभाएं भंग करने का विकल्प सामने आ सकता है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा में विधानसभा चुनाव पहले से ही लोकसभा चुनाव के साथ होते रहे हैं। इस प्रकार इन चार राज्यों को समन्वित चुनावी चक्र में लाना अपेक्षाकृत आसान होगा।

इसके अलावा, संवैधानिक रास्ता भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। संविधान का अनुच्छेद 174(2)(बी) राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है, हालांकि सामान्य परिस्थितियों में यह फैसला मंत्रिपरिषद की सलाह पर होता है। विधानसभा भंग होने के बाद जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत निर्धारित समय सीमा में चुनाव कराना आवश्यक होता है। यही वह संवैधानिक खिड़की है, जिसके जरिए 2029 के साथ चुनावों का समन्वय करने की राजनीतिक संभावना तलाशी जा रही है।

यहीं से 'एक देश, एक चुनाव' का प्रशासनिक तर्क सीधे राजनीतिक रणनीति में बदल जाता है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित विधानसभा का कार्यकाल तीन या चार वर्ष तक घटाकर चुनावी चक्र को एक साथ लाना महज चुनाव सुधार होगा, या फिर यह सत्ता की सुविधानुसार राजनीतिक कैलेंडर को पुनर्गठित करने की शुरुआत होगी? एनडीए के लिए यह योजना चुनावी संसाधनों, संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता को एक साथ मैदान में उतारने का अवसर बन सकती है। एक ही समय में लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने पर राष्ट्रीय मुद्दों की लहर राज्य-स्तरीय समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में 2027 और हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम तथा तेलंगाना में 2028 में चुनाव प्रस्तावित हैं। इनके बाद चुनी जाने वाली विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 के लोकसभा चुनाव तक केवल एक या दो वर्ष पुराना होगा, जबकि यदि भविष्य में उन्हें लोकसभा चुनाव के चक्र से जोड़ा जाता है तो उनकी अवधि को लेकर अलग संवैधानिक और राजनीतिक बहस खड़ी होगी। दूसरी ओर, 2028 में मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे राज्यों के चुनाव तथा 2029 के आसपास विभिन्न राज्यों के अलग-अलग चुनावी कार्यक्रम देश के मौजूदा बिखरे हुए चुनाव चक्र की जटिलता को दिखाते हैं। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने इस संभावना पर साफ कहा है कि 2029 में चुनावों को आगे बढ़ाकर एक साथ कराने का फैसला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संबंधित एनडीए मुख्यमंत्रियों पर निर्भर करेगा। हम आपको याद दिला दें कि यह समिति दिसंबर 2024 में गठित हुई थी और राज्यों में सरकारों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से संवाद कर रही है। उसकी रिपोर्ट इस वर्ष संसद के शीतकालीन सत्र में आने की उम्मीद है।

लोकहित के नाम पर संसद में हंगामा, हर घंटे 1.5 करोड़ के नुकसान का कौन है जिम्मेदार?

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है।

(योगेंद्र योगी)

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रूपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7,023 मिनट का समय बर्बाद हो। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज़ गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है–देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपये भी पानी की तरह बहते रहते हैं।

संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के

संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपये का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर ना सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पड़ता है।

इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हुआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31त्न काम हुआ और बाकी 69 प्रतिशत समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया। मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38 प्रतिशत काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपये जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपये बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया।

संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे। इन सांसदों को एक लाख रुपये मासिक वेतन, 70 हजार रुपये निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, 60 हजार रुपये कार्यालय और सहायक खर्च दिया जाता है। इसके अलावा दिल्ली आने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये का विशेष भत्ता और यात्रा सुविधाएं भी मिलती हैं।

संसद सचिवालय के हजारों कर्मचारियों पर करीब 25 से 30 प्रतिशत खर्च होता है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर्स, रिसर्च स्टाफ, स्टेनोग्राफर, मार्शल, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों का वेतन शामिल है। करीब 20 प्रतिशत खर्च संसद की हाई-टेक व्यवस्थाओं पर होता है। बिजली-पानी, संसद टीवी की लाइव ब्रॉडकास्टिंग, हाई-एंड रिकॉर्डिंग सिस्टम, डिजिटल वोटिंग पैनल, साथ में इनका खाना-पीना और रोज छपने वाले सैकड़ों विधायी दस्तावेजों की लागत इसी में आता है। 10 से 15 प्रतिशत खर्च संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर होता है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है।

लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकारी के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है। कई बार विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग, जांच की मांग, मंत्री का बयान, प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विरोध किया जाता है। अगर उसकी मांग स्वीकार नहीं होती तो विरोध तेज हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का कहना होता है कि चर्चा नियमों के अनुसार होनी चाहिए और बाधा होने से जनता का काम रुकता है। इसलिए हर मामले को राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखना चाहिए। कई बार विपक्ष आरोप लगाता है कि चर्चा की अनुमति नहीं दी गई, जरूरी मुद्दों पर समय नहीं दिया गया, जवाब नहीं दिया गया। जबकि सरकार का पक्ष होता है कि विपक्ष जानबूझकर कार्यवाही नहीं चलने देता।

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप्प कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है। इससे बेहतर तो यही है कि इस धन राशि को सीधे विकास कार्यों में खर्च किया जाता। लगता यही है कि किसी को इस तरह की बर्बादी का अफसोस नहीं है। देश के लोग इस मामले में लाचार बने हुए हैं। किसे दोषी ठहराएं और किसी सही, लेकिन इतना जरूर है कि यह नौबत देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के हित में नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष प्रदान करेगा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

होटल से टूर ऑपरेटर, होमस्टे, इको-टूरिज्म, एडवेंचर पर्यटन और सोशल मीडिया तक 10 श्रेणियों में होंगे 'विश्व पर्यटन दिवस

सुकमा। छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने, पर्यटन से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान किए जाएंगे। इस पुरस्कार योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले होटल, पंजीकृत टूर ऑपरेटर, जिले, पर्यटन स्टार्टअप, रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, होमस्टे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, इको-टूरिज्म साइट और एडवेंचर टूरिज्म संचालकों को सम्मानित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत कुल 10 श्रेणियों में एक-एक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को ?11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' की खासियत यह है कि इसमें पर्यटन को केवल पर्यटन स्थलों तक सीमित न रखते हुए उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को भी सम्मान के दायरे में शामिल किया गया है। आतिथ्य, पर्यटन संचालन, जिला पर्यटन प्रबंधन, उद्यमिता, रिसॉर्ट सेवाएं, पर्यटक सहायता, होमस्टे, डिजिटल प्रचार, पर्यावरण संरक्षण और साहसिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ होटल श्रेणी में राज्य के आतिथ्य क्षेत्र में प्रभावशाली सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले पर्यटन उद्यम को सम्मानित किया जाएगा। इसमें एमआईसीई सुविधाओं, पिछले वित्तीय वर्ष के वित्तीय प्रदर्शन, वार्षिक कारोबार और आयोजित कार्यक्रमों की संख्या जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा। पर्यटन प्रचार, सतत पर्यटन, थ्रस्क गतिविधियों और रोजगार सृजन में योगदान को भी मूल्यांकन में महत्व दिया जाएगा। इसी तरह सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर का चयन आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोरंजन और अन्य पर्यटन गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी, इटिनेरेरी एवं प्रचार सामग्री के माध्यम से पर्यटन का प्रचार तथा वेबसाइट और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा।

'सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवॉर्ड' के तहत उस जिले का चयन किया जाएगा, जिसने पर्यटन के व्यापक विकास, संवर्धन, गंतव्य प्रबंधन तथा घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में बेहतर कार्य किया हो। पर्यटन स्थलों की स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, डस्टबिन की उपलब्धता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हरित उपाय, प्रकृति आधारित गतिविधियां, कृषि एवं ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति, मत्स्य पालन, पर्यटकों के लिए विशिष्ट अनुभव और पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन जैसे पहलुओं को भी मूल्यांकन में शामिल किया गया है। पर्यटन क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप/उद्यमिता पुरस्कार रखा गया है। इसके माध्यम से ऐसे स्टार्टअप और व्यक्तिगत उद्यमियों को पहचान एवं प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिन्होंने नवाचार एवं अनुकरणीय गतिविधियों के जरिए छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने का कार्य किया है। यह पुरस्कार पर्यटन क्षेत्र में नए विचारों, तकनीक, सेवाओं एवं व्यावसायिक मॉडलों के माध्यम से पर्यटन को अधिक आकर्षक, सुविधाजनक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने वाले उद्यमियों के प्रयासों को प्रोत्साहित करेगा। सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट के चयन में टर्नओवर, लाभप्रदता और अधिभोग प्रतिशत जैसे मानकों को आधार बनाया जाएगा। वहीं पर्यटक सूचना केंद्रों का मूल्यांकन पूरे वर्ष पर्यटकों के लिए बुकिंग उपलब्ध कराने में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इन पुरस्कारों के माध्यम से पर्यटन बोर्ड की इकाइयों में बेहतर सेवा, ग्राहक संतुष्टि, प्रभावी संचालन तथा पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ होमस्टे श्रेणी में घरेलू पर्यटन से अर्जित राजस्व, वार्षिक वृद्धि दर, बुकिंग की संख्या और घरेलू पर्यटकों की संख्या जैसे मानकों के आधार पर चयन किया जाएगा। पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाएं, ग्राहक समीक्षा, शिकायत निवारण प्रणाली, दिव्यांग पर्यटकों के लिए सुविधाएं तथा होमस्टे की विशिष्ट अवधारणा को भी मूल्यांकन में महत्व दिया जाएगा।

होमस्टे के माध्यम से स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़ने, स्थानीय उत्पादों एवं व्यंजनों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसर सृजित करने वाले प्रयासों को भी विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका को देखते हुए सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेणी भी शामिल की गई है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों पर आधारित रील्स, वीडियो और अन्य डिजिटल कंटेंट के माध्यम से राज्य के पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को इस श्रेणी में सम्मानित किया जाएगा। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की पहुंच, पिछले तीन वर्षों के प्रदर्शन तथा उपलब्ध होने पर कारोबार संबंधी विवरण को भी मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय जीवन, ऐतिहासिक स्थलों, वन्यजीव, साहसिक गतिविधियों और अन्य पर्यटन आकर्षणों को डिजिटल माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रचारित करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को प्रोत्साहन मिलेगा। सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट अवॉर्ड के जरिए पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत पर्यटन को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को सम्मानित किया जाएगा। परियोजना का छत्तीसगढ़ में स्थित होना और कम से कम दो वर्षों से संचालित होना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, स्थानीय समुदायों–विशेषकर आदिवासी एवं ग्रामीण आबादी–की भागीदारी, स्थानीय वनस्पति एवं जीव-जंतुओं तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान जैसे मानकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने तथा पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन के बीच संतुलन स्थापित करने वाली पहलों को भी मूल्यांकन में विशेष महत्व दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में कैंपिंग और अन्य साहसिक गतिविधियां संचालित करने वाले श्रेष्ठ संचालक को सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म अवॉर्ड दिया जाएगा।

गंतव्य प्रबंधन, घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या, साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल तथा गतिविधियों से प्राप्त राजस्व प्रमुख मूल्यांकन मानदंड होंगे। इसके साथ ही पर्यटकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण साहसिक अनुभव उपलब्ध कराने, नए एडवेंचर प्रोडक्ट विकसित करने तथा छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक गंतव्यों को साहसिक पर्यटन के लिए विकसित एवं प्रचारित करने वाले प्रयासों को भी महत्व दिया जाएगा।

बरसते पानी में भी नहीं थमा बहनों का स्नेह, हजारों बहनों ने भाई योगेश तिवारी की कलाई पर बांधा विश्वास और प्यार का रक्षासूत्र

बेमेतरा। बेमेतरा की बहनों का यह प्रेम देखकर योगेश तिवारी की आंखें भी नम हो गईं रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के उस पवित्र रिश्ते का पर्व है, जिसे शब्दों से नहीं, दिल से महसूस किया जाता है। इस बार ग्राम नेवनारा स्थित पावन चंडी मंदिर प्रांगण में कुछ ऐसा ही भावुक और आत्मीय दृश्य देखने को मिला। बरसते पानी की फुहारें भी बहनों के कदम नहीं रोक सकीं। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से हजारों बहनें अपने भाई भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी को राखी बांधने पहुंचीं किसी बहन के हाथ में छोटी-सी राखी थी, तो किसी के हाथ में अपने भाई के लिए प्रेम और आशीर्वाद बहनों ने तिलक लगाया, राखी बांधी और भाई योगेश तिवारी की सुख-समृद्धि, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राखियों से सजी कलाई बहनों के चेहरे पर मुस्का आंखों में अपनापन और दिल में वर्षों पुराना वि वासयह दृश्य अपने आप में एक परिवार की तस्वीर बन गया। बहनों का इतना प्यार और अपनापन देखकर योगेश तिवारी की आंखें भी नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा ÷मेरी बहनों का यह प्रेम मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। पिछले 13 वर्षों से मेरी बेमेतरा की बहनें जिस स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद के साथ मेरी कलाई पर राखी बांधती आ रही हैं, उसे मैं कभी शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। बरसते पानी में भी हजारों बहनों का यहां पहुंचना मेरे लिए भावुक कर देने वाला क्षण है। उन्होंने कहा मेरी कलाई पर बंधी हर राखी मेरे लिए सिर्फ एक धागा नहीं है। यह एक बहन का विश्वास है, उसका आशीर्वाद है और मेरे लिए एक जिम्मेदारी है। यह रिश्ता किसी पद, राजनीति या स्वार्थ से नहीं, बल्कि दिल से बना है। पिछले 13 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा अब केवल रक्षाबंधन का आयोजन नहीं रही, बल्कि बेमेतरा के हजारों परिवारों के बीच बने भाई-बहन के अटूट रिश्ते की पहचान बन चुकी है। हर साल बहनें अपने भाई योगेश तिवारी के लिए राखी लेकर आती हैं और हर बार यह रिश्ता पहले से भी ज्यादा मजबूत होकर सामने आता है। इस अवसर पर बहनों के लिए स्नेह भोज की भी व्यवस्था की गई। बहनों ने एक साथ बैठकर भोजन किया और पूरे परिसर में ऐसा वातावरण बना, मानो कोई अपना बड़ा पारिवारिक उत्सव हो योगेश तिवारी ने कहा- राखी का धागा कलाई पर जरूर बंधता है, लेकिन उसका रिश्ता सीधे दिल से जुड़ता है। मेरी बहनों ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके सामने मैं स्वयं को हमेशा छोटा महसूस करता हूं। मेरी हर बहन का सम्मान, उसका विश्वास और उसका आशीर्वाद मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेरी बहनों के चेहरे की मुस्कान ही मेरी सबसे बड़ी खुशी है। ईश्वर मेरी सभी बहनों को सुखी रखे, उनके परिवारों में खुशियां बनाए रखे और उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ बना रहे। बरसात आई, लेकिन बहनों का प्यार नहीं रुका।

रास्ते कठिन थे, लेकिन भाई तक पहुंचने का स्नेह कम नहीं हुआ। कलाई पर राखियां बंधीं, लेकिन दिलों में रिश्ते और गहरे हो गए। 13 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा उसी प्रेम, विश्वास और आत्मीयता के साथ जीवित है। यह राखी सिर्फ एक धागा नहीं यह बेमेतरा की हजारों बहनों का अपने भाई योगेश तिवारी के प्रति प्रेम है।

जिसमें शामिल हुए पीयूष शर्मा, शिवम, मनोज, यशवंत, लखन चक्रधारी, खेमराज, मोहन पणिक सरपंच, खेमल लाल साहू, कृष्ण बंजारे, गोविंद मानिकपुरी, परमेश्वर यादव, प्रियांशु सिंह भाई-बहन का यह रिश्ता यूं ही जन्म-जन्मांतर तक बना रहे यही इस रक्षाबंधन पर सबसे प्यारी कामना है।

पोलमपल्ली पोटाकेबिन पहुंचकर कलेक्टर अमित कुमार ने लिया जायजा

- पोटाकेबिन में लगा स्वास्थ्य शिविर, 3 सदस्यीय जांच दल गठित

सुकमा। पोलमपल्ली स्थित कन्या आवासीय पोटाकेबिन विद्यालय में छात्राओं की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने जिस तत्परता और संवेदनशीलता के साथ मोर्चा संभाला, वह प्रशासनिक जिम्मेदारी और मानवीय सरोकार की मिसाल बनकर सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार स्वयं विद्यालय पहुंचे और छात्राओं के बेहतर उपचार, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की सीधे निगरानी की। उनके मौके पर पहुंचने से प्रशासनिक अमले में भी तेजी आई और छात्राओं को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर अमित कुमार ने औपचारिक निरीक्षण तक सीमित रहने के बजाय छात्राओं के बीच पहुंचकर उनसे आत्मीय संवाद किया और उनकी समस्याओं को अभिभावक की तरह सुना। छात्राओं ने भी उनसे खुलकर अपनी बातें साझा कीं और आवश्यक सुविधाओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि स्वास्थ्य और सुविधाओं से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाएगा। उनके इस संवेदनशील व्यवहार से छात्राओं का मनोबल बढ़ा और अभिभावकों में भी प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ। प्रशासन ने स्वास्थ्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उल्टी, दस्त और बुखार से पीड़ित छात्राओं को तत्काल दोरनापाल स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। बेहतर उपचार के बाद कई छात्राएं स्वस्थ होकर विद्यालय लौट चुकी हैं, जबकि एक छात्रा का सुकमा जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी है। वहीं करीब 350 छात्राओं वाले आवासीय परिसर में एहतियातन व्यापक स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर सभी बच्चों की मेडिकल जांच की जा रही है। कलेक्टर ने स्वयं परिसर का सघन निरीक्षण कर साफ-सफाई, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता और फर्स्ट एड किट में आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की। मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे, इसके लिए प्रशासन ने एसडीएम सुभाष शुक्ला की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच दल गठित कर दिया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, मौके पर वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी और छात्राओं के प्रति संवेदनशील रवैये ने यह स्पष्ट किया है कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। समय पर चिकित्सा सुविधा, लगातार स्वास्थ्य निगरानी और कलेक्टर के सीधे हस्तक्षेप से विद्यालय का वातावरण अब शांत और सुरक्षित है। इस दौरान एसडीएम सुभाष शुक्ला, तहसीलदार योपेंद्र पात्रे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, मरीजों और परिजनों से किया आत्मीय संवाद

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार ने जिला चिकित्सालय सुकमा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, आयुष्मान कार्ड केंद्र, औषधि वितरण केंद्र, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष एवं मातृ-शिशु वार्ड का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. एम.आर. कश्यप सहित अस्पताल का चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रतिदिन की ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान कार्ड केंद्र का निरीक्षण कर हितग्राहियों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली और पात्र सभी हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड समय पर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक सहज और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। कलेक्टर अमित कुमार ने प्रयोगशाला कक्ष में मरीजों एवं हितग्राहियों से सीधे संवाद कर जांच सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों से विभिन्न जांचों की रिपोर्ट तैयार होने में लगने वाले समय की जानकारी लेते हुए रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक हितग्राही को एक्स-रे की फिल्म उपलब्ध कराई जाए, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर मातृ-शिशु वार्ड पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती बच्चों का हालचाल जाना और उनके परिजनों से आत्मीय संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को मरीज-केंद्रित बनाने पर जोर देते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार, आवश्यक जांच और मूलभूत सुविधाएं समय पर मिलनी चाहिए। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

प्रांजल विशेष विद्यालय में इंडियन ऑयल ने मनाया आईएसआर दिवस, दिव्यांग बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

भटगांव। प्रांजल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित प्रांजल विशेष विद्यालय सारंगढ़ (दिव्यांग स्कूल) में एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित हुआ। इंडियन ऑयल, एसईआरपीएल कोरबा के कर्मचारियों ने व्यक्तिगत सामाजिक दायित्व' कार्यक्रम के तहत बच्चों के साथ पूरा दिन बिताया। कोरबा से आए इंडियन ऑयल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संस्था के दिव्यांग बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री, दैनिक उपयोग की सामग्री और बच्चों के पहनने के लिए चप्पल प्रदान की। बच्चों को सामग्री पाकर चेहरे पर मुस्कान आ गई। कर्मचारियों ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनके साथ खेला और उनकी जरूरतों को समझा। इस अवसर पर संस्था प्रमुख हिरा देवी निराला, विशेष शिक्षक प्रांजल और कोरबा से आए अभिनव भारती, पैगंबर सिंह, विवेक यादव, नृनाल और विजय भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख हिरा देवी निराला ने इंडियन ऑयल परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से दिव्यांग बच्चों में समाज से जुड़ने का आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल का यह सहयोग बच्चों के लिए बेहद मददगार साबित होगा।

पुलिस स्टेशन, न्यायालय, तहसील और नगर पंचायत परिसर में लगाए पौधे, बच्चों ने कहा एक पौधा लगाएं, कल एक बेहतर भविष्य बनाएं

लोटस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, शासकीय कार्यालयों में किया वृक्षारोपण

एक विद्यार्थी एक पौधा, हर घर हरियाली भटगांव को हरा-भरा बनाने की पहल, अधिकारियों ने की सराहना

भटगांव। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर के प्रतिष्ठित लोटस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। विद्यार्थियों ने नगर के विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया। जहां इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने पुलिस स्टेशन, व्यवहार न्यायालय, तहसील कार्यालय एवं नगर पंचायत परिसर में पौधे लगाए और लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों के इस कदम की पूरे नगर में सराहना हो रही है। छोटे-छोटे हाथों से जब बड़े-बड़े पौधे लगाए जा रहे थे, तो यह दृश्य हर किसी को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास दिला रहा था। लोटस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी बसों से सबसे पहले भटगांव पुलिस थाना पहुंचे। वहां थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ ने बच्चों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने थाना परिसर में नीम, पीपल, आंवला और गुलमोहर के पौधे लगाए। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि पुलिस सिर्फ अपराध रोकने का काम नहीं करती, बल्कि समाज को सुरक्षित और स्वच्छ बनाना भी उसका कर्तव्य है। इसके बाद विद्यार्थी व्यवहार न्यायालय भटगांव पहुंचे। न्यायालय परिसर में न्यायाधीश और अधिवक्ताओं की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष फिरितलाल खटकर ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि न्याय की तरह पर्यावरण की रक्षा भी हमारा मौलिक कर्तव्य है। वहीं तीसरे चरण में विद्यार्थी तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां तहसीलदार और कर्मचारियों के साथ मिलकर पौधे लगाए गए। जहां कार्यक्रम के अंत में नगर पंचायत परिसर में वृक्षारोपण किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष और सीएमओ ने इस पहल की सराहना की और कहा कि नगर को हरा-भरा बनाने में ऐसे प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। साथ ही विद्यार्थियों ने हर जगह पौधारोपण के बाद विद्यार्थियों ने वहां मौजूद अधिकारियों और आम लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया और पौधों की रक्षा करने की अपील की। वहीं इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण संदेश दिया और विद्यार्थियों ने कहा कि पेड़ केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं, बल्कि हमारे जीवन का आधार है। हम जो सांस लेते हैं, वह पेड़ों से ही मिलती है। वहीं स्वच्छ हवा के लिए पेड़ जरूरी हैं। वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, इससे बचने का एकमात्र उपाय अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। जिससे शुद्ध वातावरण पेड़ों से ही मिलता है। पेड़ों के आसपास तापमान 2 से 3 डिग्री कम रहता है। इतना ही नहीं वर्षा संतुलन के लिए पेड़ों का होना बहुत जरूरी है। जंगल कटने से बारिश कम हो रही है। जिससे आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए हमें पौधे लगाने होंगे। अगर हमने पेड़ नहीं लगाए तो कल हमारे बच्चों को ऑक्सीजन खरीदनी पड़ेगी। बच्चों का सबसे सुंदर संदेश था एक पौधा लगाएं, कल एक बेहतर भविष्य बनाएं। वहीं एक छात्रा ने बताया हमने स्कूल में पढ़ा है कि एक पेड़ एक साल में 260 पाउंड ऑक्सीजन देता है। अगर हम सभी एक-एक पेड़ भी लगाएं तो हमारा भटगांव सबसे स्वच्छ नगर बन सकता है। वहीं वृक्षारोपण के बाद सिर्फ पौधा लगाना ही काफी नहीं है, उसकी देखभाल भी जरूरी है। इस बात को समझते हुए विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। उन्होंने तय किया कि वे हर सप्ताह संबंधित कार्यालयों में जाकर अपने लगाए पौधों में पानी देंगे और उनकी सुरक्षा करेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों ने अलग-अलग समूह बनाए हैं। साथ ही उन्होंने अपने आसपास के लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। बच्चों ने कहा कि वे अपने घर, गली-मोहल्ले में भी लोगों को एक पौधा लगाने के लिए कहेंगे। विभिन्न शासकीय कार्यालयों में आयोजित इस अभियान ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्य का भी प्रत्यक्ष अनुभव कराया।

संक्षिप्त समाचार

सबसे बड़ा भ्रम दो शब्द–सरकारी पैसा!

बिलासपुर। एक गरीब पिता का बच्चा बाज़ार में खिलौना देखकर जिद करता है। पिता कीमत पूछता है, जेब टटोलता है, फिर बच्चे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ जाता है। बच्चा सोचता है कि शायद पिताजी उसे खिलौना नहीं दिलाना चाहते। लेकिन पिता जानता है कि महीने की तनख्वाह अभी आधी भी नहीं बची और घर में राशन, बिजली का बिल, स्कूल की फीस और दवा के खर्च अभी बाकी हैं। उसी शहर में कोई माँ अपनी बेटी की कोचिंग का सपना टाल रही है, कोई बुजुर्ग डॉक्टर की पूरी पर्ची नहीं खरीद पा रहा, कोई परिवार बरसों से अपने घर की टूटी छत को प्लास्टिक से ढँककर मानसून निकाल रहा है। भारत के करोड़ों घरों में हर दिन इच्छाओं की हत्या होती है ताकि बजट जीवित रह सके।

लेकिन इसी कहानी का एक दूसरा पात्र भी है, जिसके बारे में बहुत कम बात होती है।

वही पिता जब पेट्रोल भरवाता है, टैक्स देता है। वही मजदूर जब मोबाइल रिचार्ज कराता है, टैक्स देता है। वही किसान जब डीज़ल खरीदता है, टैक्स देता है। वही गृहिणी जब साबुन, तेल, कपड़ा, दवा या बच्चों की कॉपी खरीदती है, तब भी टैक्स देती है। भारत में करोड़ों लोग आयकर न देते हों, लेकिन कर-मुक्त जीवन लगभग कोई नहीं जीता। वस्तु एवं सेवा कर, ईंधन कर, शुल्क, उपकर और अनेक अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से हर दिन जनता का पैसा सरकारी खजाने तक पहुँचता है। यानी जो परिवार अपने घर का हर रुपया बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है, वही परिवार हर दिन सरकार की तिजोरी भी भर रहा है।

यहीं से लोकतंत्र का सबसे बड़ा विरोधाभास शुरू होता है।

हम अपने घर में सौ रुपये के अतिरिक्त खर्च पर बहस कर लेते हैं। बच्चा महंगा खिलौना मांग ले तो उसे समझा देते हैं। घर में पुताई टाल देते हैं। पुरानी बाइक कुछ साल और चलाते हैं। शादी-ब्याह में खर्च काट देते हैं। लेकिन उसी समय लाखों करोड़ रुपये के सार्वजनिक खर्च पर लगभग मौन रहते हैं। जिस देश में एक परिवार पंखा बदलने से पहले दस बार सोचता है, उसी देश में सार्वजनिक धन के उपयोग पर नागरिक बहस कितनी होती है? शायद उतनी नहीं जितनी किसी क्रिकेट मैच, फिल्म या चुनावी नारे पर होती है।

सबसे बड़ा भ्रम दो शब्दों में छिपा है—सरकारी पैसा।

यह शब्द सुनते ही नागरिक और धन के बीच का रिश्ता टूट जाता है। जैसे वह पैसा किसी और का हो। जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। सरकार का अपना कोई खेत नहीं है जहाँ से फसल उगती हो। उसका कोई निजी कारखाना नहीं है जहाँ से मुनाफा आता हो। सरकार की तिजोरी में रखा लगभग हर रुपया किसी न किसी नागरिक की जेब से आया है। लेकिन जैसे ही वह रुपया सरकारी खजाने में पहुँचता है, जनता उससे अपना भावनात्मक और नैतिक स्वामित्व छोड़ देती है।

यही लोकतंत्र की सबसे महंगी भूल है।

भारत का केंद्रीय बजट अब दर्जनों लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुँच चुका है। राज्यों के बजट जोड़ दिए जाएँ तो सार्वजनिक धन का आकार और भी विशाल हो जाता है। यह राशि इतनी बड़ी है कि सामान्य नागरिक उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। लेकिन समस्या राशि की विशालता नहीं है। समस्या यह है कि जिन लोगों की मेहनत से यह धन एकत्र होता है, वे ही अक्सर उसके उपयोग पर सबसे कम निगरानी रखते हैं। ज़रा सोचिए, एक परिवार पाँच लोगों के साथ एक मोटरसाइकिल पर बैठकर बाज़ार जा रहा है। बच्चे बीच में दबे हुए हैं, माँ पीछे किसी तरह संतुलन बनाए हुए है। उसी सड़क पर एक चमचमाती सरकारी गाड़ी निकलती है। गाड़ी में एक बड़ा अधिकारी बैठा है, अपने पालतू कुत्ते को सेहला रहा है। गाड़ी गलत नहीं है। सरकारी कामकाज के लिए वाहन आवश्यक हैं। प्रश्न वाहन का नहीं है। प्रश्न उस मानसिक दूरी का है जो धीरे-धीरे नागरिक और व्यवस्था के बीच पैदा हो गई है। जिस व्यवस्था का खर्च नागरिक उठा रहा है, क्या वह व्यवस्था नागरिक के जीवन की कठिनाइयों को उसी गंभीरता से महसूस करती है? कबीर ने लिखा था साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय। यह केवल व्यक्ति का नहीं, शासन का भी आदर्श हो सकता है। किसी भी सभ्य शासन की महानता उसके खर्च की मात्रा से नहीं, बल्कि उसके खर्च की नैतिकता और उपयोगिता से मापी जानी चाहिए। क्योंकि सार्वजनिक धन केवल लेखांकन की इकाई नहीं होता; वह किसी की अधूरी पढ़ाई, किसी की छूटी हुई दवा, किसी का टला हुआ इलाज, किसी की स्थगित शादी और किसी बच्चे के अधूरे सपनों का संचित रूप होता है।

यहीं एक और असुविधाजनक प्रश्न सामने आता है। यदि जनता अपने पैसे की रखवाली नहीं करेगी, तो कौन करेगा?

सूचना का अधिकार कानून इसी प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास था। ऋक्षड्ड केवल कागज़ देखने का अधिकार नहीं है। वह लोकतंत्र का स्मरणपत्र है। वह नागरिक को याद दिलाता है कि वह केवल मतदाता नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों का संरक्षक भी है। जब कोई व्यक्ति पूछता है कि सड़क निर्माण के लिए कितना बजट स्वीकृत हुआ, अस्पताल के लिए कितना धन आया, स्कूल की मरम्मत पर कितना खर्च हुआ, तब वह केवल सूचना नहीं मांग रहा होता; वह लोकतंत्र को उसकी मूल स्थिति में वापस लाने की कोशिश कर रहा होता है। लेकिन यहाँ एक और विडंबना है। हम अपने बच्चों को बचत सिखाते हैं, पर नागरिकता नहीं। हम उन्हें गुल्लक देते हैं, पर यह नहीं बताते कि देश का बजट भी एक राष्ट्रीय गुल्लक है। हम उन्हें कमाना सिखाते हैं, पर यह नहीं सिखाते कि उनके नाम पर खर्च होने वाले धन का हिसाब मांगना भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर में लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ

रेल परिचालन की निगरानी अब होगी अधिक संरक्षित, तेज, पारदर्शी और प्रभावी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने रेल परिचालन को अधिक संरक्षित, तेज, पारदर्शी एवं कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ किया है। लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज दिनांक 31 अगस्त 20226 को किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री जी. पी. खुटे, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री के.के.सिन्हा, मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर श्री राकेश रंजन सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल– दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल स्थित डिवीज़नल कंट्रोल में स्थापित लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल है। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषता भारतीय रेल का सबसे बड़ा अल्ट्रा-नैरो-बेज़ल वीडियो वॉल है, जिसके माध्यम से ट्रेनों की आवाजाही एवं सिग्नलिंग की स्थिति का वास्तविक समय में व्यापक एवं स्पष्ट दृश्य प्राप्त किया जा सकता है।

वास्तविक समय में ट्रेनों की निगरानी– लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से रेल परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एकीकृत एवं केंद्रीकृत रूप में उपलब्ध होती हैं। इससे नियंत्रण कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों को ट्रेनों की स्थिति एवं परिचालन से जुड़ी परिस्थितियों का तत्काल आकलन करने में सहायता मिलती है। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं हैं— ट्रेनों की आवाजाही एवं सिग्नलिंग स्थिति की वास्तविक समय में निगरानी। मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेनों की स्वचालित निगरानी एवं ट्रैकिंग। स्टेशनों के यार्ड एवं ब्लॉक खंडों का एकीकृत दृश्यांकन। रेल परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं का केंद्रीकृत प्रदर्शन। परिचालन संबंधी निर्णय लेने में तेजी एवं बेहतर समन्वय। नियंत्रण कार्यालय के अधिकारियों की परिस्थितिजन्य जागरूकता में वृद्धि। संरक्षित, समयबद्ध एवं अधिक कुशल रेल परिचालन में सहयोग। बिलासपुर के 47 एवं रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों की निगरानी– लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से बिलासपुर मंडल के 47 स्टेशनों तथा रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों में रेल परिचालन की निगरानी एवं दृश्यता को बेहतर बनाया गया है। वास्तविक समय के आंकड़ों, डिजिटल तकनीक एवं केंद्रीकृत निगरानी के एकीकरण से परिचालन संबंधी परिस्थितियों को समझने और आवश्यक कार्रवाई करने में अधिक सुविधा होगी।

यह प्रणाली विशेष रूप से कंट्रोल कार्यालय के अधिकारियों को किसी भी परिचालन संबंधी स्थिति का त्वरित आकलन कर समय पर निर्णय लेने में सहायक होगी। इससे ट्रेनों के संचालन में बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ रेल परिचालन की संरक्षा एवं समयबद्धता को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। तकनीक आधारित स्मार्ट रेल परिचालन की ओर महत्वपूर्ण कदम– बिलासपुर मंडल में लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ रेल परिचालन के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली संरक्षित, स्मार्ट, पारदर्शी और अधिक कुशल रेल परिचालन की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को और मजबूत करेगी तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप रेल परिचालन को अधिक सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एसईसीएल मुख्यालय के 03 कर्मियों के सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। आज दिनाँक 31.08.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त हुए 03 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन के मुख्य आतिथ्य, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में श्री विवेक सिंह चंदेल, लाइब्रेरियन, मानव संसाधन विभाग, श्री आलोक कुमार जायसवाल, सहायक अभियंता, ईएनटी विभाग तथा श्री जसपर कार्ल, वरिष्ठ डीईओ , सामग्री प्रबंधन विभाग को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी। इस अवसर पर शीर्ष प्रबंधन ने अपने-अपने उद्बोधन में कहा कि

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के योगदान एवं कार्यकौशल से ही कम्पनी सफलता के मुकाम पर पहुँची है। सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। अंत में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यहाँ के कर्मचारियों में कार्य के प्रति बहुत ही निष्ठा है। यहाँ के अधिकारी-कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर साथ में कार्य करते हैं। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय पढ़ते हुए सफलतापूर्वक उद्घोषणा का दायित्व प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने निभाया।

माह अगस्त में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 01 अधिकारी सहित 25 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक(गुड्स) सहित 25 रेल परिवार के सदस्य माह अगस्त 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर स्थित सीबीटी कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू.एस.एस. राव द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी व कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज़, सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान

मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया 7 इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारीगण उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 25 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 08, इंजीनियरिंग विभाग से 04, विद्युत विभाग से 04, यांत्रिक विभाग से 02, मेडिकल विभाग से 01, सिग्नल व दूरसंचार से 04, तथा वाणिज्य विभाग से 02 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई

जलभराव का सतत जायजा व जल निकासी में जुटा रहा निगम अमला

कोरबा। तेज बारिश से होने वाले जल जमाव का जायजा लेने व पानी की निकासी में नगर पालिक निगम कोरबा का अमला सातों जोन में सक्रिय रहा। इस दौरान कोसाबाड़ी जोन के शिवाजीनगर स्थित लिटिल लैम्प स्कूल के पास, मैगजीनभांठा, रविशंकर नगर, वार्ड क्र. 28 एच.पी.गैस एजेंसी के समीप, बैंगनडभार बस्ती, कोसाबाड़ी रेलवे लाईन बस्ती, पोड़ीबहार शांतिविहार कालोनी, निर्मला स्कूल के पीछे, पोड़ीबहार तालाब के समीप सहित अन्य विभिन्न स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हुई, निगम अमले ने तत्काल जेसीबी के माध्यम से जल निकासी का मार्ग बनाया तथा जलभराव को दूर किया। शनिवार को बादल जमकर बरसे, रूक-रूककर हुई तेज बारिश से वार्ड व बस्तियों में होने वाले जल जमाव की स्थिति पर नजर रखने हेतु निगम का अमला लगातार सक्रिय रहा। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर निगम के सभी 07 जोन के जोन कमिश्नर अपने-अपने अमले के साथ बरसाते पानी में फील्ड विजिट करते नजर आये, अधिकारियों ने जल भराव पर लगातार नजर रखी तथा जहाँ कहीं भी जलभराव की स्थिति निर्मित हुई, वहाँ पर त्वरित कार्यवाही करते हुये जेसीबी के माध्यम से जल की निकासी का रास्ता बनाया तथा जलभराव को दूर किया।

गोवर्धन प्रसाद खूटे, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के एक कर्मचारी आज हुए सेवानिवृत्त

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय बिलासपुर में आज श्री गोवर्धन प्रसाद खूटे, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं श्री रमेश, हॉस्पिटल असिस्टेंट, केंद्रीय चिकित्सालय, बिलासपुर अपने दीर्घ एवं समर्पित रेल सेवाकाल को पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित सादे एवं गरिमापूर्ण समारोहों में दोनों रेलकर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई तथा रेलवे की सेवा में उनके दीर्घकालीन योगदान को स्मरण किया गया। महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित समारोह में श्री गोवर्धन प्रसाद खूटे, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, 36 वर्षों की समर्पित रेल सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनकी सेवा से संबंधित बंदोबस्त राशि का चेक सौंपा। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने श्री खूटे के दीर्घ सेवाकाल के दौरान उनके द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों, कर्तव्यनिष्ठा एवं रेलवे के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने श्री खूटे के स्वस्थ, सुखद

एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हुए उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में श्री रमेश, हॉस्पिटल असिस्टेंट, केंद्रीय चिकित्सालय, बिलासपुर भी 32 वर्षों की समर्पित रेल सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। श्रीमती दर्शनीता बोरा अहलूवालिया, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी तथा उनकी बंदोबस्त राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर प्रधान वित्त सलाहकार श्री एस. एस. राजू भी उपस्थित रहे। इस दौरान श्री रमेश की दीर्घ एवं समर्पित रेल सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे परिवार ने दोनों सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की दीर्घ सेवाओं एवं उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

एसईसीएल मुख्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कॉलोनी स्पोर्ट्स-2026 का सफल समापन हुआ.....

बिलासपुर। आज दिनाँक 30 अगस्त 2026 राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्क्षष्टरु) मुख्याय में 24 अगस्त से 30 अगस्त, 2026 तक आयोजित कॉलोनी स्पोर्ट्स-2026 का आज सफल समापन हुआ। सप्ताहभर चले इस खेल महोत्सव में SECL मुख्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का उत्कृष्ट परिचय दिया। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया तथा पूरे आयोजन में उत्साह एवं उमंग का वातावरण बना रहा। इस खेल महोत्सव का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपसी सहयोग, सौहार्द एवं टीम भावना को सुदृढ़ करना था। पूरे सप्ताह आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित की। आयोजन के अंतर्गत वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, स्केटिंग, फुटबॉल, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताएँ वसंत विहार एवं इंदिरा विहार टाउनशिप स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को साकार किया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस आज प्रात: साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली को एसईसीएल डीएवी स्कूल परिसर

से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान श्री बी. सी. सेठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन/कल्याण), स्क्षष्टरु तथा डीएवी पब्लिक स्कूल, स्क्षष्टरु बिलासपुर के प्राचार्य श्री के. पार्थीपन विशेष रूप से उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से प्रतिभागियों को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण तथा दैनिक जीवन में खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए फिट इंडिया एवं खेलो इंडिया की भावना को सशक्त संदेश दिया। SECL प्रबंधन का मानना है कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी उद्देश्य से कॉलोनी स्पोर्ट्स-2026 का आयोजन किया गया, ताकि कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को खेल गतिविधियों से जोड़ते हुए स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सप्ताहभर चले इस खेल महोत्सव का सफल आयोजन प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहयोग एवं स्क्षष्टरु प्रबंधन के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के बीच आपसी सौहार्द को सुदृढ़ करने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से अनिता शर्मा के घर फैली सौर ऊर्जा की रोशनी, बिजली बिल हुआ शून्य

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना आम नागरिकों के लिए बिजली की बचत के साथ-साथ अतिरिक्त आय का एक प्रभावी माध्यम बन रही है। शहर के रामा ग्रीन सिटी निवासी श्रीमती अनिता शर्मा ने भी इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर में सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनके घर की बिजली संबंधी जरूरतें अब सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं और बिजली बिल शून्य हो गया है। अनिता शर्मा बताती हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल के रूप में एक निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगवाने के बाद बिजली का बिल अब शून्य हो गया है। सौर ऊर्जा संयंत्र से घर की आवश्यकता से अधिक बिजली का उत्पादन होने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जाती है। इस तरह अनिता शर्मा के लिए सोलर पैनल केवल बिजली बचत का साधन नहीं, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बन गया है। वे बताती हैं कि योजना के माध्यम से अपने घर की छत का उपयोग स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए कर पाना उनके लिए बेहद संतोषजनक अनुभव है। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों में सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी लें और इसका लाभ उठाएं। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना में 30 हजार रूपये से लेकर 78 हजार रूपये तक अनुदान और राज्य सरकार द्वारा 30000 तक अनुदान दिया जा रहा है।

साइलेंट किलर कोलेस्ट्रॉल शुगर को एक साथ खत्म करेंगे मेथी के दाने

होम्योपैथी डॉक्टर के अनुसार, अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो हाई ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इन्हें साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि इनसे पीड़ित लोगों का शरीर धीरे-धीरे अंदर से खोखला होता रहता है। ध्यान रहे कि डायबिटीज का कोई इलाज नहीं है इसलिए ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखना जरूरी है। हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड शुगर लेवल को एक साथ कुछ घरेलू उपायों से ठीक किया जा सकता है। चलिए जानते हैं इसका एक आसान घरेलू उपाय क्या है।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल बढ़ना दोनों ही शरीर के लिए खतरनाक स्वास्थ्य समस्याएं हैं। आजकल अधिकतर लोग इन दोनों गंभीर रोगों से पीड़ित हैं। एक तरह जहां कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा होता है, वहीं ब्लड शुगर लेवल बढ़ने से ज्यादा प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना और आंखों की रोशनी पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर का घरेलू उपाय

डॉक्टर के अनुसार, अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं और आपका ब्लड शुगर लेवल हमेशा बढ़ा रहता है, तो पूरे चांस हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ सकता है। कुछ घरेलू नुस्खों के जरिए बढ़े हुए शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मेंटेन कर सकते हैं।

आपको क्या-क्या चाहिए

1 गिलास पानी
1 चम्मच मेथी के दाने
1 चम्मच धनिया के बीज

कैसे तैयार करें मिश्रण

एक बड़ा बर्तन लें और उसमें एक गिलास पानी डालकर गर्म कर लें
गर्म पानी में ऊपर बताई सभी चीजें डालकर उबाल लें
एक गिलास पानी जब आधा रह जाए तो आप उसे छान लें

कैसे करें सेवन

इस पानी को आपको सुबह नाश्ता करने से आधा या पौना घंटा पहले पीना चाहिए। बेहतर रिजल्ट के लिए इस नुस्खे को कम से कम एक महीना ट्राई करें। यह बहुत ही प्रभावी तरीके से आपके शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

आई फ्लू से लाल हो रही आंखों को दर्द, जलन और चुभन से तुरंत आराम देंगे ये घरेलू नुस्खे

इन दिनों देश के लगभग सभी राज्यों में आई फ्लू ने कहर मचा रखा है। इसे मेडिकल भाषा में पिंक आई इन्फेक्शन या कंजंक्टिवाइटिस भी कहा जाता है। ऐसा माना जा रहा है कि बारिश और बाढ़ के बाद यह स्थिति पैदा हुई है। आई फ्लू के लक्षणों की बात करें, तो इस संक्रमण में मरीज की आंखें लाल हो जताई है, आंखों में सूजन हो जाती है, आंखों से लगातार पानी और गंदगी निकलती रहती है, साथ ही आंखों में जलन, चुभन और दर्द होता है। यह संक्रमण कम से कम एक हफ्ते तक बना रहता है।

आई फ्लू के घरेलू उपाय क्या हैं?

सबसे चिंता की बात यह है कि यह आई टू आई कांटेक्ट से तेजी से फैलता है। इसके अलावा मरीज के किसी के संपर्क में आने से भी यह फैल सकता है।

ग्रीन टी बैग

आई फ्लू में तेज दर्द, सूजन और जलन होती है। ऐसे में आंखों को ठंडाई देने से आपको आराम मिल सकता है और यह काम टी बैग से बेहतर कोई नहीं कर सकता है। कुछ तरह की चाय में एंटी इंफ्लेमेटरी और सूथिंग यानी आराम देने वाले गुण होते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ग्रीन टी, कैमोमाइल, रूइबोस और ब्लैक टी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। आंखों पर टी बैग का उपयोग सूजन को कम करने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

गर्म पानी की सिकाई

अगर आंखें दुखती हैं, संक्रमित हैं या उनमें जलन हो रही है, तो गर्म सिकाई से आपको राहत मिल सकती है। एक अध्ययन में सुझाव दिया गया कि गर्म सिकाई आई फ्लू में आराम मिलता है। इससे आंखों के आसापास होने वाली सूजन भी कम होती है। इसके लिए एक कपड़े को गर्म पानी में भिगोकर धीरे से अपनी आंख पर लगाएं। पानी बहुत गर्म न हो। उपयोग किया जाने वाला कपड़ा साफ होना चाहिए।

ठंडे पानी की सिकाई

बेशक ठंडे पानी की सिकाई करने से आंखों का संक्रमण ठीक नहीं होता है लेकिन इसके लक्षणों को कम करने में जरूर मदद मिलती है। इसके लिए एक कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर धीरे-धीरे अपनी आंखों पर लगाएं। अपनी आंख पर जोर से न दबाएं या सीधे अपनी आंख या पलक पर बर्फ न लगाएं।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह आंखों की सूजन को कम कर सकता है। साथ ही यह जलन को कम करने में मदद कर सकता है। इसके लिए अपनी आंखों के आसपास तेल लगाएं। गर्म पानी में कपड़े को भिगोकर अपनी पलकों पर रखें। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें। जल्दी आराम पाने के लिए दिन में दो बार ऐसा करें।

मॉनसून में इम्युनिटी बनाने और मसल और बोन को मज़बूत करने के लिए क्या लें?

मॉनसून के मौसम में भारी वर्षा और नमी बैक्टीरिया और वायरस के लिए प्रजनन स्थल बनाती है। इसके परिणामस्वरूप अवसर कमजोरी और बीमारी बढ़ जाती है। मजबूत प्रतिरक्षा के साथ मॉनसून के मौसम में किसी भी प्रकार की बीमारी पैदा करने से पहले हानिकारक रोगजनकों से लड़ना आसान होता है। कई कारणों से बरसात के मौसम में मजबूत प्रतिरक्षा बनाए रखना बहुत आसान नहीं हो सकता है। आइए इनके बारे में थोड़ा जानें। वे कारण जो हमें मानसून के दौरान मजबूत प्रतिरक्षा बनाए रखने में बाधा डालते हैं

वर्षा के कारण जमा हुआ पानी, वायरस के विकास को बढ़ावा दे रहा है। खराब स्वच्छता जिससे दूषित पानी और भोजन के संपर्क में आने का खतरा बढ़ जाता है। उच्च आर्द्रता जो बैक्टीरिया के पनपने के लिए एक आदर्श वातावरण बनाती है। विशेषज्ञों द्वारा सलाह दी जाती है कि रोजाना कसरत करें और स्वस्थ आहार लें, उचित स्वच्छता रखें और पर्याप्त नींद लें। इन सभी का अभ्यास करके आप मानसून के दौरान अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार, इम्यूनिटी बूस्टर आयुर्वेद उत्पाद आपको बरसात के मौसम के लिए वांछित प्रतिरक्षा प्रदान करने का सबसे अच्छा विकल्प हैं। अगर आप भी अपनी इम्यूनिटी को लेकर चिंतित हैं और बरसात के मौसम में इसे मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आगे पढ़ें।

क्या लें इम्युनिटी, मसल और बोन के लिए?

आपके शरीर को आपकी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए विटामिन और खनिजों की आवश्यकता होती है। हड्डियों का घनत्व कम होने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जो मामूली चोट लगने पर भी आसानी से टूट सकती हैं। अपनी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए, आप इनका सेवन करना पसंद कर सकते हैं -

अश्वगंधा

अश्वगंधा एक एडाप्टोजेनिक जड़ी बूटी है जिसका इस्तेमाल हजारों सालों से किया जा रहा है। एडाप्टोजेन्स ऐसी जड़ी-बूटियाँ हैं जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाते हुए शरीर को तनाव सहन करने में सहायता करती हैं। श्वेत रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाकर, अश्वगंधा प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। संक्रमण से शरीर की रक्षा की पहली परत श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं। इसके अलावा, आयुर्वेदिक अश्वगंधा टैबलेट तनाव कम करने, नींद में सुधार करने और सूजन कम करने में मदद करते हैं। यह सभी स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली में योगदान करते हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम एक खनिज है जो आपके शरीर के समुचित कार्य के लिए महत्वपूर्ण है और आपकी हड्डियों में संग्रहीत होता है। कैल्शियम के अवशोषण के लिए, आपके शरीर को विटामिन डी की आवश्यकता होती है। अपर्याप्त कैल्शियम के सेवन से हड्डियाँ कमजोर, भंगुर हो सकती हैं जो फ्रैक्चर और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। तिलहन, ब्रोकोली, बादाम, शकरकंद, सोयाबीन और दही इस मानसून में आज़माने के लिए सबसे अच्छे कैल्शियम खाद्य पदार्थों में से कुछ हैं।

शोरबा

जब भी आपको भूख लगे तो एक कटोरा गरम गरम शोरबा पियें। शोरबा कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आसानी से पचने योग्य भी होता है। इसका मतलब है कि यह आपके शरीर को फिट और पेट को खुश रखेगा। बरसात के दिनों में एक कटोरी सब्जी या चिकन शोरबा को काली मिर्च या लहसुन से सजाकर पीना पसंद करें।

विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

विटामिन सी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह आपके शरीर के साथ-साथ आपकी मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को मजबूत रखने में मदद करता है। साथ ही, यह आयरन को अवशोषित करने में भी सहायक है। नींबू, पालक, संतरे और ब्रोकोली विटामिन सी से भरपूर कुछ बेहतरीन खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आप इस मानसून में आज़मा सकते हैं।

गिलोय

गिलोय एक आयुर्वेद जड़ी बूटी है जिसका एक लंबा इतिहास है। यह व्यापक रूप से अपनी प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है जो शरीर को मुक्त कणों से बचाने में मदद करता है। यह आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी ऐसे यौगिकों से भी समृद्ध है जो श्वेत रक्त कोशिकाओं के विकास को गति देने में सहायता कर सकती है। संक्रमण से निपटने के लिए श्वेत रक्त कोशिकाएं आवश्यक हैं।

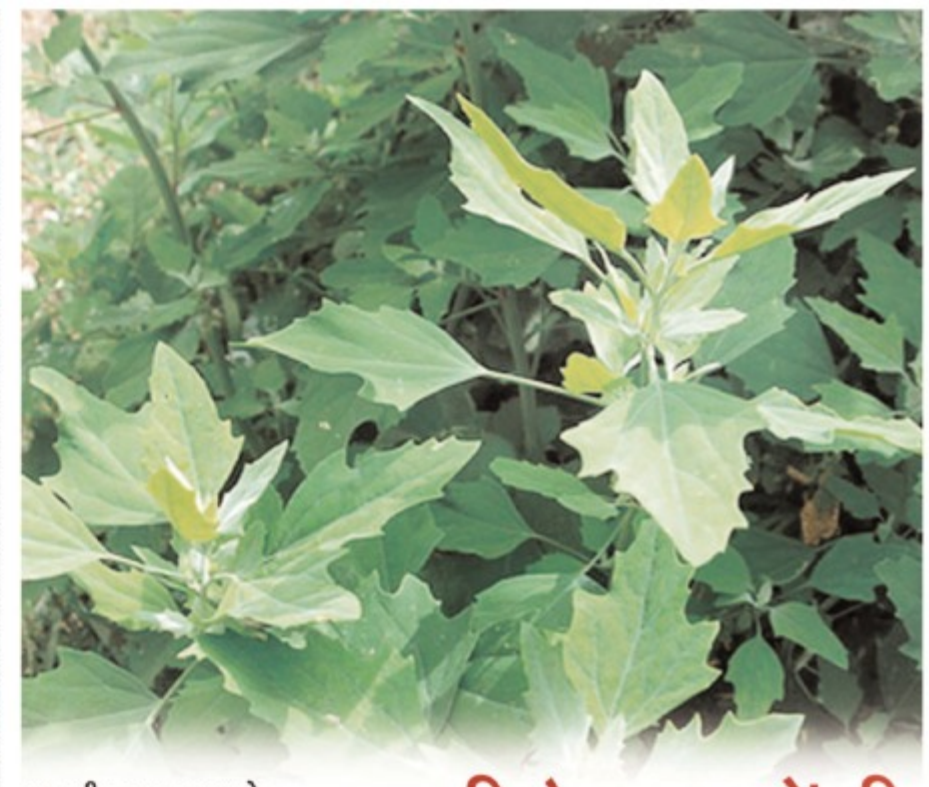

सब्जी के रूप में ही फायदेमंद नहीं है बथुआ, औषधी के रूप में है ज्यादा महत्व

आप भी जरूर बथुआ को खाते होंगे, लेकिन आपको केवल यह पता होगा कि बथुआ को साग के रूप में खाया जाता है। अधिकांश लोगों को बथुआ के औषधीय गुणों के बारे में ज्यादा जानकारी ही नहीं है। क्या आपको पता है कि बथुआ एक औषधी भी है, और बथुआ खाने के फायदे कई रोगों में मिलते हैं? इसमें विटामिन ए, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आयुर्वेदिक विद्वानों ने बथुआ को भूख बढ़ाने वाला पित्तशामक मलमूत्र को साफ और शुद्ध करने वाला माना है। यह आंखों के लिए उपयोगी तथा पेट के कीड़ों का नाश करने वाला है। यह पाचन शक्ति बढ़ाने वाला, भोजन में रुचि बढ़ाने वाला, पेट की कब्ज मिटाने वाला और स्वर (गले) को मधुर बनाने वाला है।

सेल्स की करें मरम्मत

बथुआ अमीनो एसिड से भरपूर होता है। हमारी कोशिकाओं का एक बड़ा हिस्सा अमीनो एसिड से बना है। ऐसे में यह कोशिकाओं के कामकाज, मरम्मत और गठन में प्रमुख भूमिका निभा सकता है।दांतोंके दर्द और सूजन को करें कमअगर आपको दांत में दर्द हो रहा हो तो बथुआ के बीज का चूर्ण बनाकर दांतों पर रगड़ें। इससे दांत का दर्द तो ठीक होता ही है, साथ ही मसूड़ों की सूजन भी कम हो जाती है।बथुआ के पत्तों को उबालकर पीस लें। इसे सूजन वाले अंग पर लगाने से सूजन कम हो जाती है।कब्ज की समस्या के लिए फायदेमंदकब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए बथुआ के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। इससे कब्ज के साथ-साथ बवासीर, तिल्ली विकार, और लिवर विकारों में लाभ मिलता है।

इम्युनिटी/रोग प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाए

रोग प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो जाने पर लोगों को अनेक बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए रोग प्रतिरक्षा शक्ति का मजबूत होना बहुत जरूरी है।जिन लोगों कि रोग प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो, वे बथुआ के शाक (सब्जी) में सेंधा नमक मिलाकर, छाछ के साथ सेवन करें। इससे रोग से लड़ने की शक्ति (रोग प्रतिरक्षा शक्ति) मजबूत होती है।

ल्यूकोरिया रोग के लिए रामबाण

बथुआ का इस्तेमाल ल्यूकोरियामें भी लाभ पहुंचाता है। ल्यूकोरिया से पीड़ित लोग 1-2 ग्राम बथुआ के जड़ को जल या दूध में पकाएं। इसे तीन दिन तक पिएं। इससे ल्यूकोरिया में लाभ होता है।

जोड़ो के दर्द में पहुंचाए आराम

जोड़ों में होने वाले दर्द के कारण लोगों को बहुत तकलीफ झेलनी पड़ती है। शरीर के जिस अंग में तकलीफ हो रही हो, उस अंग की गतिशीलता में कमी आ जाती है।आप जोड़ों के दर्द में बथुआ का सेवन करे। इससे जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलेगा।बथुआ के पत्ते एवं तना का काढ़ा बनाकर जोड़ों पर लगाएं। इससे जोड़ों के दर्द ठीक होते हैं।

पेट के कीड़ों से दिलाए निजात

पेट में कीड़े हो जाने पर बथुआ का उपयोग लाभ पहुंचाता है। बथुआ के रस में नमक मिलाकर पिएं। इससे पेट के कीड़े खत्म होते हैं। आपको बता दे किबथुआ के पत्ते में के रिडोल होता है, जिसका प्रयोग आंतों के कीड़े को खत्म करने के लिए भी किया जाता है। मूत्र रोग में लाभमूत्र रोग को ठीक करने के लिए बथुआ के पत्ते का रस निकाल लें। इसमें मिश्री मिलाकर पिलाने से मूत्र विकार खत्म होते हैं।

बालों को दे पोषण

चूंकि बथुआ प्रोटीन, खनिज और अन्य विटामिनों से भरपूर होता है, यह आपके बालों को जड़ों से मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे बालों का झड़ना कम होता है, जिससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ बनते हैं।

फुंसी, फोड़े, सूजन में उपयोगी

फुंसी, फोड़े, सूजन पर बथुए को कूटकर सौंठ और नमक मिलाकर गीले कपड़े में बांधकर कपड़े पर गीली मिट्टी लगाकर आग में सेकें। सिकने पर गर्म-गर्म बांधें। फोड़ा बैठ जाएगा या पककर शीघ्र फूट जाएगा।

पथरी

पथरी हो तो 1 गिलास कच्चे बथुए के रस में शकर मिलाकर नित्य सेवन करें तो पथरी टूटकर बाहर निकल आएगी। जुएं, लीखें हों तो बथुए को उबालकर इसके पानी से सिर धोएं तो जुएं मर जाएंगी तथा बाल साफ हो जाएंगे।

अन्य लाभ

मोच आने पर बथुआ के पत्ते को पीसकर लगाएं। इससे मोच के कारण होने वाले दर्द से आराम मिलता है। इसके अलावा खांसी होने परबथुआ के पत्तों की सब्जी बनाकर सेवन करें। इससे खांसी में आराम मिलता है।

मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में भी अधूरी सड़क-पुलिया, जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे राहगीर

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र में वर्षों से अधूरे पड़े सड़क और पुलिया निर्माण के कारण आम राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि अधूरे मार्ग के चलते उन्हें रोजाना जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से अब तक ठोस पहल नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार परसदा रेलवे क्रॉसिंग से किनारे-किनारे टोल प्लाजा पहुंच मार्ग का निर्माण रेलवे विभाग की जमीन आने के कारण अटका हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद रेलवे विभाग और लोक निर्माण विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर इस समस्या का समाधान नहीं किया जा सका है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक उक्त मार्ग पर सड़क और पुलिया का काम लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। इसके कारण राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है तथा अधूरे मार्ग के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बताया जा रहा है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सड़क और पुलिया निर्माण को पूरा कराने के लिए लगातार शासन-प्रशासन से मांग की जा रही है। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग और रेलवे विभाग के बीच यदि आपसी समन्वय स्थापित हो जाए तो वर्षों से लंबित सड़क और पुलिया निर्माण का कार्य पूरा किया जा सकता है। लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों की संयुक्त पहल से रेलवे भूमि से जुड़ी बाधा को दूर कर अधूरे मार्ग और पुलिया का निर्माण शीघ्र पूरा कराया जाए। नागरिकों का कहना है कि विकास के दावों के बीच यदि आम आदमी को रोजाना जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़े तो यह गंभीर चिंता का विषय है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में शासन और प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करेगा।

अंडरब्रिज निर्माण पर उठे सवाल, कछुए की चाल से हो रहा निर्माण : चंपू गुप्ता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को पत्र लिखकर जनहित में हस्तक्षेप की मांग

राजनांदगांव। शहर में लंबे समय से कछुए की चाल से चल रहे स्टेशन पारा पहुंच मार्ग अंडरब्रिज एवं गौरीनगर पहुंच मार्ग अंडरब्रिज के निर्माण कार्य को लेकर एआईसीसी बिहार ऑब्जर्वर एवं डोंगरगढ़-बिंद्रानवागढ़ प्रभारी तथा इंदिरा नगर वार्ड के पूर्व पार्षद राजेश गुप्ता 'चंपू ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं शहर के विधायक डॉ. रमन सिंह को पत्र लिखकर दोनों अंडरब्रिज निर्माण कार्यों की धीमी गति की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है। साथ ही निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप करने की मांग की है। राजेशकुमार ने कहा कि अंडरब्रिज निर्माण कार्यों की धीमी गति के कारण शहरवासियों, स्थानीय नागरिकों, राहगीरों एवं वाहन चालकों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन प्रभावित होने के साथ ही लोगों का समय भी बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों महत्वपूर्ण अंडरब्रिज शहर के यातायात की दृष्टि से बेहद जरूरी हैं।

इनके निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने से नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से आग्रह किया है कि वे संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर स्टेशन पारा पहुंच मार्ग तथा गौरीनगर पहुंच मार्ग अंडरब्रिज के निर्माण कार्यों में तेजी लाने और इन्हें समय-सीमा में पूर्ण कराने की दिशा में पहल करें, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

खेल मैदान से राष्ट्रीय मंच तक, पुसौर की युवा प्रतिभाओं ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

राष्ट्रीय ट्रैक एवं रोड साइक्लिंग प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

रायगढ़। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पुसौर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 200 विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। भारतीय हॉकी में उनके योगदान और खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन एवं प्रतिबद्धता को याद करते हुए उन्हें युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। इस दौरान 100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, हॉकी और रस्साकशी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा और टीम भावना का प्रदर्शन किया। हॉकी प्रतियोगिता में शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेंगालपाली विजेता रहा। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुसौर विकासखंड की अंतरा सारथी, मिहिर पटेल एवं तनिषा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। तीनों प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ट्रैक एवं रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर साइक्लिंग के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से पुसौर का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम में सुभाष ठाकुर, एचओपी, एनटीपीसी लारा; एम. श्रीनाथ, जीएम (ओएंडएम); हेमंत पावगी, जीएम (प्रोजेक्ट्स); तथा भुवनेश्वर पटेल, बीईओ, पुसौर सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों के उत्साह और खेल भावना की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं दृढ़ता के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

छह महीने से सड़क अधूरी, अल्टीमेटम का भी असर नहीं, स्कूली छात्रों और ग्रामीणों ने 3 घंटे किया चक्काजाम

यातायात रहा बाधित, महापौर ने दी समझाइश, विभागीय अफसर ने दिया लिखित आश्वासन

राजनांदगांव। शहर से लगे गठुला-तुमड़ीलेवा रोड की दुर्दशा को लेकर आखिरकार रविवार को ग्रामीणों और स्कूली बच्चों का गुस्सा फूट गया। आक्रोशितों ने घंटों चक्काजाम कर दिया, काफी हंगामा मचाया गया। प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस टीम पर मौके पर मौजूद रही। अधूरी रोड से हो रही परेशानियों की पूरी फेहरिस्त ग्रामीणों ने जिम्मेदारों के समक्ष खोल दी। इसके बाद महापौर मधुसूदन मौके पर पहुंचे, अधिकारियों के समक्ष चर्चा हुई और तीन दिनों के भीतर रोड का काम पूरा करने, समय-समय पर पानी डालने का आश्वासन दिया गया। ताकि ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की समस्या दूर हो। इसके बाद सभी गुस्साएं लोग सड़क से हटे और यातायात बहाल किया गया। काफी समय से ग्रामीण इस सड़क का डामरीकरण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग कर रहे थे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस रोड का निर्माण 2 करोड़ 59 लाख रुपए से किया जा रहा है। इसमें 22 लाख रुपए मरम्मत का भी शामिल है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले छह महीनों से सड़क का काम अधूरा पड़ा है। ग्रामीणों का लगातार इसके चलते परेशान होना पड़ रहा है,कई बार जिला प्रशासन से गुहार लगाने के बाद भी कार्य में तेजी नहीं लाई गई। इस कारण आखिरकार अल्टीमेटम देने के बाद रविवार को ग्राम गठुला और भेड़ीकला के लोग सड़क पर उतर गए। इसके बाद जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की टीम मौके पर पहुंची। समझाइश देने के बाद भी ग्रामीण और स्कूली बच्चे सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए।

स्कूली छात्रों को हर दिन हो रही परेशानी, हादसे का भी खतरा

रोड का काम अधूरा होने के कारण बारिश के समय काफी दिक्कत हो रही है। इसमें गठुला, भेड़ीकला के छात्रों को हर दिन आवाजाही की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कई बार वे साइकिल व गाड़ियों से गिर भी जा रहे हैं। इस कारण कई का डिमांड भी रखी गई कि वे जल्द ही निर्माण को पूरा कराए ताकि आने-जाने में समस्या न हो। लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया और आखिरकार चक्काजाम कर प्रदर्शन करना ही पड़ा और इसके बाद आश्वासन भी मिला।

प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक रहा जाम, कई गाड़ियां फंसी

रोड की दशा को लेकर स्थानीय लोगों ने तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। इस कारण राजनांदगांव और खैरागढ़ रोड से आने वाले वाहनों का जाम लग गया। हालांकि अफसरों ने दूर ही वाहनों को खड़ा कराना शुरू कर दिया गया था, ताकि जाम न लगे। लेकिन यह व्यस्ततम मार्गों में से एक है, यहां गाड़ियों की आवाजाही अधिक रहती है। इस कारण घंटों तक वाहन चालकों को परेशान होना पड़ा। यहां तक बिजली कंपनी की गाड़ी को भी काफी इंतजाम करना पड़ा। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद यातायात बहाल हुआ।

शराब और चखना का शौक बन सकता है मौत का कारण? कोसीर चखना दुकान में लेन-देन को लेकर युवक पर जानलेवा हमला

छत्तीसगढ़ सरकार की चखना सेंटर की सोच पर बदमाशों ने लगाया पलीता, संचालक और सहयोगियों पर मारपीट का आरोप

- **कोसीर के युवक लखन लहरे और मनोज सुमन के साथ 27 अगस्त की रात 9.30 बजे हुई वारदात, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच**

भटगांव। छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री के साथ सरकार ने शराब प्रेमियों के लिए चखना दुकान (फूड जोन) की स्थापना की है। सरकार की सोच यह थी कि शराब पीने वाले लोग सड़क किनारे अराजकता न फैलाएं, बल्कि एक व्यवस्थित जगह पर बैठकर चखना खाते हुए शराब का सेवन करें। इससे राजस्व भी बढ़ेगा और कानून व्यवस्था भी बनी रहेगी। सरकार की यह सोच अच्छी थी, लेकिन जमीनी हकीकत में इस पर तब पलीता लग जाता है, जब इन्हीं चखना दुकानों में गुंडागर्दी और जानलेवा हमले की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसी ही एक सनसनीखेज घटना सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कोसीर गांव के देसी-विदेशी शराब दुकान के समीप स्थित शासकीय चखना दुकान में सामने आई है। जहां चखना के लेन-देन और मामूली विवाद में चखना दुकान के संचालक और वहां काम कर रहे उसके सहयोगियों द्वारा एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में युवक को गंभीर और गहरी चोटें आई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और शराब दुकानों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 27 अगस्त की रात करीब 9.30 बजे की है। जहां कोसीर निवासी रिपोर्टकर्ता लखन लहरे और उसका साथी मनोज कुमार सुमन शराब दुकान से शराब लेकर चखना दुकान पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उनके पहुंचने से पहले ही कोसीर के ही मनोज सुमन के पहचान के कुछ अन्य साथी पहले से चखना दुकान में बैठे हुए थे। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ित के अनुसार, चखना दुकान में पहले से बैठे युवकों के साथ चखना दुकानदार का चखने के पैसे को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि चखना संचालक द्वारा ग्राहकों से अधिक पैसे वसूले जा रहे थे और इसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। वहीं जब लखन लहरे और मनोज सुमन वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनके गांव के युवकों के साथ अन्याय हो रहा है।

उन्होंने बीच-बचाव करने और समझाने की कोशिश की।

दोस्त के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफखड़ा होना पड़ा भारी

जहां पीड़ित मनोज सुमन के परिजनों का कहना है कि मनोज का कोई कसूर नहीं था। वह तो सिर्फ अपने गांव के युवक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ खड़ा हुआ था। वहीं परिजनों ने बताया मनोज बहुत सीधा लड़का है। वह अपने दोस्त के साथ चखना खाने गया था। वहां चखना वाले गुंडागर्दी कर रहे थे। जब रुपए के लेन देन कहा कि भैया गरीब लोगों से ज्यादा पैसा मत लो, गाली मत दो तो उन्होंने उसे ही मारना शुरू कर दिया। वहीं पीड़ित युवक को पहले कोसीर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सारंगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार युवक के सिर पर 8 टांके आए हैं और हाथ में फ्रैक्चर की आशंका है। घटना के बाद पीड़ित के साथी मनोज कुमार सुमन ने तत्काल कोसीर पुलिस थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। और पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर चखना दुकान संचालक जितेंद महिलाने उसके पिता शिव नंदन महिलाने और उसके विशेष सहयोगियों में प्रकाश बंजारे के खिलाफ धारा 115(2), 117(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में ढील बरत रही है। आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने शराब दुकानों के साथ चखना सेंटर की योजना इसलिए शुरू की थी ताकि शराबी सड़क पर, सार्वजनिक स्थानों पर शराब न पिएं। अवैध चखना दुकानों पर रोक लगे। लोगों को रोजगार मिले। शांति व्यवस्था बनी रहे।

प्रगति विहार में धीमी गति से नाली निर्माण का आरोप, कांग्रेस नेताओं ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 के प्रगति विहार में चल रहे नाली निर्माण कार्य का अमलेश्वर मंडल के कांग्रेस नेताओं ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए संबंधित ठेकेदार से कार्य को मानक के अनुरूप एवं तेजी से पूरा करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि नाली निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि नाली का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाना चाहिए। साथ ही जिन स्थानों पर नाली निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां से निकली मिट्टी को अब तक नहीं हटाया गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। निरीक्षण के दौरान अमलेश्वर मंडल अध्यक्ष महेंद्र साहू, छाया पालिका अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, पार्षद घनश्याम साहू, पूर्व पार्षद धर्मेंद्र साहू, अमृत सिंह राजपूत, कांग्रेस नेता अहेंद्र, विकास वर्मा, प्रवीण डे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने के साथ ही कार्य को जल्द पूरा करने की मांग की।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना : 3 किलोवाट रूफटॉप से 4 हजार का बिजली बिल हुआ जीरो

सूरज की रोशनी बनी बचत का जरिया, बुद्धिमंत पटारी का बिजली बिल शून्य

सुकमा। स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में सुकमा जिले के कुम्हारास निवासी बुद्धिमंत पटारी के परिवार ने एक मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगने के बाद परिवार का हर महीने आने वाला 3,000 से 4,000 रुपये तक का बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो गया है। सौर ऊर्जा ने न केवल घर को रोशन किया, बल्कि परिवार को बड़ी आर्थिक राहत भी दी है। बुद्धिमंत पटारी के परिवार के लिए यह बदलाव किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। पहले हर माह बिजली बिल में खर्च होने वाली हजारों रुपये की राशि अब बचत के रूप में परिवार के काम आ रही है। इस बचत से घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने का अवसर भी मिल रहा है। सौर ऊर्जा को अपनाना परिवार के लिए इसलिए भी आसान हुआ क्योंकि केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। सरकारी सहायता ने सोलर रूफटॉप सिस्टम की लागत का बोझ कम किया और परिवार को स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। बुद्धिमंत पटारी का अनुभव यह संदेश देता है कि सौर ऊर्जा केवल बिजली बचाने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी रास्ता भी है। सुकमा में यह पहल स्वच्छ ऊर्जा के बढ़ते उपयोग की प्रेरक तस्वीर पेश कर रही है। सूर्य की रोशनी से घर रोशन हो रहा है, बिजली खर्च घट रहा है और बचत का उजाला भविष्य को संवार रहा है।

मवेशियों को लगाया रहा रिफ्लेक्टर, सफाई पर भी ध्यान देने कहा गया

कांजी हाउस, हाइवे का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण, कर्मचारियों को दिए निर्देश

राजनांदगांव। शहर की स्वास्थ्य सेवाओ में गुणात्मक सुधार लाने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम द्वारा प्रतिदिन सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई निरीक्षण कर सफाई में सुधार की दिशा निर्देश दे रहे हैं। मवेशियो को दुर्घटना से बचाने निगम का अमला उनके नेतृत्व में चैक चौराहें, जीई रोड, से मवेशी हटाकर रेडियम पट्टी भी लगा रहे है। सफाई निरीक्षण में आयुक्त मरकाम जी.ई.रोड सहित प्रमुख मार्गो में सफाई का जायजा लेकर रोड के दोनो किनारे तक सफाई करवा झिल्ली पन्नी उठवाए। इस दौरान उनके द्वारा नागरिकों, होटल व अन्य व्यवसायियों तथा ठेला खोमचा वालों को साफ-सफाई रखने झिल्ली पन्नी का उपयोग नहीं करने, डस्टबिन का उपयोग करने, तथा रोड या नाली के उपर अतिक्रमण नहीं करने समझाईश भी दिया जा रहा हैं। उन्होंने सफाई अमला से कहा है कि निचली बस्ती तथा पानी भरान क्षेत्र में साफ -सफाई कर विशेष ध्यान रखे, कच्ची नाली खोद कर जल निकासी कराए। मौसमी बीमारी से बचने साफ -सफाई रखने, लोगो को समझाईश दे। आयुक्त के नेतृत्व में निगम का अमला प्रतिदिन मवेशी पकड़ कांजी हाउस में छोड रहे हैं और मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी लगा उनके सिंग में रेडियम टेप चिपका रहे हैं। आयुक्त ने कांजी हाउस का भी निरीक्षण कर मवेशियो को दिये जाने वाले चारा पानी के अलावा गंज मण्डी से बचे फल सब्जी लाकर खिलाने के संबंध मे जानकारी लेकर दाना पानी सहित अन्य आवश्यक समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखने निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com